हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, सोमवार 14 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

222 खेत तालाब एवं 319 कूप रिचार्ज पिट ने बदलीं सूरत

मण्डला। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन पद पंचायत नैनपुर जिला मण्डला के अंतर्गत आने वाली 74 ग्राम पंचायतों में लक्ष्य के अनुरूप 222 खेत तालाब एवं 319 कूप रिचार्ज पिट बनायें गये है। यहां पर पदस्थ सहायक यंत्री विशाल धुर्वे ने गत दिनों मीडिया को अपनी एक विशेष मुलाकात मैं बताया कि मध्यप्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट के मार्गदर्शन में जन पद पंचायत नैनपुर मैं पदस्थ मुख्य कार्य पालन अधिकारी विनोद मरावी एवं यहां पर पदस्थ तकनीकी अमला के सतत निगरानी में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किये गये विभिन्न निर्माण कार्यों से आज यहां की स्थिति बदली बदली दिखाई देने लगी है। पहली बारिश में ही यहां बने खेत तालाबों में चारों तरफ लबालब पानी भरा हुआ है जिससे सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी होने की उम्मीद की जा रही है,अब ग्रामीण कृषकों को सिंचाई का संकट नहीं होगा, यहां के कृषक अपने खेत तालाब मैं भरे पानी से गदगद है। गौरतलब हो कि मध्यप्रदेश सरकार की ओर से चलायें गये महात्वपूर्ण जल संरक्षण और संवर्धन कार्यक्रम 30 मार्च से 30 जून तक चलाया गया। इसी अभियान के तहत नैनपुर जन पद पंचायत के अंतर्गत आने वाली 74 ग्राम पंचायतों में लक्ष्य के अनुरूप 222 खेल तालाब एवं 319 कूप रिचार्ज पिट बनायें गये है। यहां पर हुये सभी ऐसे निर्माण कार्यों से क्षैत्र में उपयोगिता दिखाई देने लगी है,अब यहां के किसान अपने खेतों में धान का रोपाई आसानी से कर रहे हैं।

एक मात्र स्टेडियम में अतिक्रमण से नाराज खिलाड़ी

मरम्मत के नाम पर अतिक्रमण का खेल

*** नपा प्रशासन की भूमिका संदेह के घेरे में।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

सुपर मार्केट स्थित नगरपालिका प्रशासन की दुकानों में नियमों की अनदेखी कोई पहली घटना नहीं है। इसके पूर्व भी समय-समय पर इन दुकानदारों द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुये अपने लाभ के लिये संरचनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। अब पुनः पैसे के दम पर एक नया खेल खेला जा रहा है जो स्पष्ट रूप से अतिक्रमण का मामला है लेकिन कोई भी उसे स्पष्ट करने को तैयार नहीं। सामने निर्माण दिख रहा है और उसे मरम्मत का नाम दिया जा रहा है।

मामला है सुपर मार्केट में जो दुकानें स्टेडियम ग्राउंड से लगकर निर्मित हैं उनमें से कुछ दुकानों की छत पर लगभग 6 से 7 फुट ऊंचा लेंटर डाले जाने की कोशिश जारी है इसके पीछे बताया जा रहा है कि उनके द्वारा छत पर मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। छत की मरम्मत के लिये दीवार उठाकर ऊंचा करना कौन सा नियम पालन करना है और क्या जो अतिरिक्त स्थान इन दुकानदारों द्वारा कब्जा किया जा रहा है उसके लिये नगरपालिका प्रशासन से क्या किसी तरह की अनुमति ली गई है और यदि अनुमति है तो वह किसकी है क्या परिषद के द्वारा किसी तरह का प्रस्ताव पारित कर इस तरह के निर्माण की अनुमति प्रदान की गई है और यदि अनुमति दी गई है तो फिर अन्य दुकानदारों को इससे क्यों वंचित रखा जा रहा है।

क्या अनुमति देने के नाम पर किसी तरह का कोई शुल्क या अतिरिक्त राशि नगरपालिका प्रशासन को दिये जाने की बात कही गई है या फिर ऊपर ही ऊपर यह पूरा खेल खेला जा रहा है। जिन शर्तो के तहत इन दुकानों की नीलामी और अधिपत्य दिया गया था उन शर्तों में क्या यह प्रावधान था कि दुकानदार मरम्मत के नाम पर दुकान की छतों की ऊंचाई बढ़ा सकते हैं और ऊंचाई भी इतनी कि लगभग एक कमरे के बराबर स्थान कब्जा किया जा सके।

इसके पूर्व भी इन दुकानदारों के द्वारा दुकान के अंदर ही अंदर 20 से 25 फुट तक दुकान बढ़ाकर निर्माण करा ली गई थी जो कि स्टेडियम की जगह पर सीधे-सीधे कब्जा था उस समय भी नगरपालिका परिषद के कुछ पार्षदों द्वारा इसका विरोध किया गया था लेकिन किसी तरह की कोई कार्यवाही न तो जिला प्रशासन ने की और न ही नगरपालिका प्रशासन ने। अब पुनः नीचे कब्जा किये गये स्थान के ऊपर मरम्मत के नाम पर कब्जा किया जा रहा है जो कि अतिक्रमण की श्रेणी में आता है। इस पर भी नगरपालिका प्रशासन का मौन रहना संदेह को जन्म दे रहा है।

ज्ञात हो कि इसी तरह के और भी कई निर्माण हैं जो कि देखते ही देखते करा लिये गये और ये सभी अतिक्रमण के दायरे में ही आते हैं अतिक्रमण के विरूद्ध कार्यवाही करने वाला जिला प्रशासन एवं नगरपालिका प्रशासन इनके प्रति उदासीन रहा है। कमानिया पुल के समीप जहां हॉट बाजार का निर्माण किया गया था वहां कोरोना काल के दौरान लॉकडाउन के चलते पन्नियों से ढंककर अंदर ही अंदर एक पक्की दुकान बना ली गई और नगरपालिका प्रशासन देखता रह गया। जब समाचार पत्रों में इस आशय की खबरें छापी गई तो नगरपालिका प्रशासन द्वारा यह कहकर अपना पल्ला छाड़ लिया गया कि उक्त दुकान निर्माण का मामला उच्च न्यायालय में लंबित है लिहाजा हम कुछ नहीं कर सकते। जब मीडिया द्वारा उच्च न्यायालय के प्रकरण को लेकर स्पष्ट करने को कहा गया तो नपा प्रशासन द्वारा न तो किसी प्रकरण की जानकारी दी गई और न ही यह बताया गया कि उच्च न्यायालय द्वारा नगरपालिका प्रशासन को उक्त निर्माण कार्य को यथावत रखने अथवा उसे अलग करने कोई निर्देश दिये गये हैं अथवा नहीं। क्या वह निर्माण नगरपालिका की भूमि पर हुआ है, क्या उक्त दुकान का निर्माण नगरपालिका की अनुमति से किया गया है, क्या उक्त भूमि पर दुकान का निर्माण किया जा सकता है क्योंकि वह भूमि खाई के अंदर की भूमि है लिहाजा वहां इस तरह का निर्माण सीधे-सीधे अतिक्रमण के दायरे में आता है लेकिन आम लोगों के लिये और नगरपालिका प्रशासन के लिये अतिक्रमण की अलग-अलग परिभाषा निर्धारित की गई है ऐसा इनकी कार्यवाही से प्रतीत हो रहा है।

2 लाख 77 हजार से अधिक कीमत की अवैध शराब, वाहन सहित जप्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/निवास

हाल के कुछ वर्षों में मंडला जिले में अवैध कारोबार चरम पर है, मंडला पवित्र व शराब बिक्रय मुक्त क्षेत्र घोषित किये जाने के बाद भी शहर के अधिकांश चौक चौराहों पर आसानी से सभी ब्रांड की अवैध शराब बेची जा रही है, इतना ही नहीं जिले से बाहर भी भेजी जा रही है इसके बावजूद आबकारी विभाग अधिकांश महुआ की दारू बनाने वाले लोगों की लाहन जब्त कर वाहवाही लूटती है या पुलिस मुखबिर से मिली सूचना पर ही कार्यवाही करने मजबूर होती है और निवास पुलिस मुखबिर की सूचना पर ही जबलपुर निवास रोड पर वाहन जांच शुरू किया और जैसे ही संदिग्ध वाहन एमपी 52 जेडबी 5707 वाहन भीखमपुर तिराहा पहुंचा उसे रोक कर जांच की गई जिसके डाले में बड़ी तादाद में बच्चों के खाने वाले कुरकुरे के पैकेट रखे हुए थे मगर जब इन्हे अलग कर देखा गया तो वहां अंग्रेजी शराब की पेटियां झाँकने लगीं, जिसके बाद वाहन को निवास थाना लाया गया।

निवास थाना प्रभारी वर्षा पटैल ने बताया कि वाहन से अंग्रेजी शराब की 39 पेटी जिनकी लिक्विड मात्रा 345 लीटर है, जिसकी कीमत दो लाख 77 हजार दो सौ रूपये होती है ज्ञात हो कि पकड़ी गये वाहन में एमडी ब्रांड शराब की 15 पेटी और जिनीयस शराब की 24 पेटियां थी शराब को जबलपुर से डिंडोरी की ओर ले जाया जा रहा था, पुलिस ने अवैध शराब परिवहन में प्रयुक्त वाहन को जप्त कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है शराब और वाहन सहित दस लाख से अधिक की जप्ती की गई है।

लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों को दिया गया स्पष्टीकरण देने नोटिस

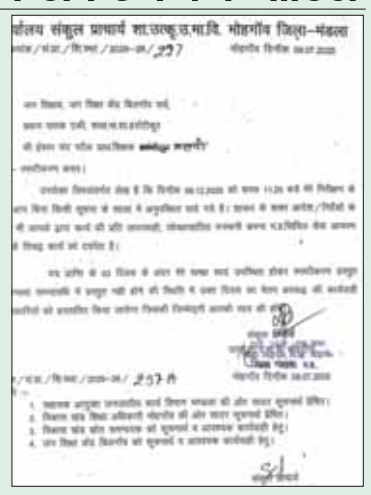

मण्डला। संकुल प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहगांव द्वारा प्राथमिक शिक्षक ईश्वरचंद पटेल ग्राम बखारी को कारण स्पष्ट करने हेतु नोटिस जारी किया गया है नोटिस में बताया गया कि निरीक्षण के दौरान वे शाला में बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाये गये जो कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण के विरूद्ध कार्य को दर्शाता है। अतः पत्र प्राप्ति के तीन दिवस के अंदर उपस्थित होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें अन्यथा समयावधि में प्रस्तुत नहीं होने की स्थिति में उक्त दिवस का वेतन अवरूद्ध की कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी।

गृह ग्राम, नगर, कस्बा में मनचाहा संलग्नीकरण, पदस्थापना समाप्त हो

*** अधिकारियों की मिलीभगत से चल रहा गोरख धंधा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/नारायणगंज

हर शिक्षक अपने गृह ग्राम में ही पदस्थापना चाहता है पदस्थापना नहीं हुआ तो ले देकर संलग्नीकरण करा लेता है और नौकरी कम अपने पैतृक धंधा की ओर ज्यादा ध्यान देते हैं। ऐसे शिक्षक केवल हाजिरी देने स्कूल आते हैं और उपस्थिति पंजी में दस्खत किये और चलते बनते हैं विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में यही हाल है। ऐसे में शिक्षण कार्य या शासन का का काम कैसे चलेगा और बच्चों का शिक्षा का स्तर कैसा होगा आम जनता व पालकों के लिये चिंता का विषय बन गया है।

वर्तमान में शिक्षण पत्र शुरू होते ही सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग मंडला में संलग्नीकरण और मनचाहा पदस्थापन के लिए धंधा खुल गया है। यहां तक कि मध्यप्रदेश शासन शिक्षा विभाग के आदेश को भी दर किनार कर मनचाहा संलग्नीकरण और पद स्थापनाएं की जा रही है। जो शिक्षक अपने घरु कार्य भी देखना चाहते हैं और नौकरी से भी मुफ्त का वेतन लेना चाहते हैं ऐसे शिक्षक सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग मंडला कार्यालय की मिली भगत से मनचाहा संलग्नीकरण व पदस्थापना करा रहे हैं। सहायक आयुक्त मंडला को इस बात की चिंता नहीं है कि जिले के सभी स्कूलों में अधिकृत शिक्षक पदस्थ हैं या नहीं बस पैसे बटोरने की पड़ी है और पैसे लेकर मनचाहा संलग्नीकरण और पदस्थापना की जा रही है।

स्वार्थफरस्त संलग्नीकरण और पदस्थापना के चलते नौनिहाल बच्चों का शिक्षण स्तर इतना नीचे गिर गया है कि पांचवी कक्षा के छात्रों को अक्षर गिनती लिखते पढते नहीं बनता है कारण स्पष्ट है मनचाहा संलग्नीकरण और पदस्थापना वाले शिक्षकों का मन बच्चों के उच्च शिक्षण कार्य से नहीं उनको तो फ्री का तनख्वाह और अपने घरु धन्धा को सम्हालने से है। इसलिए मनचाहा संलग्नीकरण और पदस्थापना की कुनीति बंद की जाये। नौकरी करना है तो सच्चाई और ईमानदारी से करें अन्यथा किसी के भावी उम्मीदों के साथ नौकरी के नाम पर खिलवाड़ न किया जाये।

गर्भवती महिलाओं और बच्चों की समय-समय पर करें जांच

*** नारायणगंज सीएससी में स्वास्थ्य कर्मचारियों से संचालित योजनाओं की समीक्षा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नारायणगंज में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिकलसेल, एनीमिया, परिवार नियोजन और मातृ, शिशु मृत्यु दर समेत अन्य संचालित राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। संचालित राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल ने सिकलसेल, आयरन, परिवार नियोजन समेत अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रम संबंधित जानकारी साझां की। बीसीएम शैलेन्द्र सिंह ने उपस्थित कर्मचारियों से कहां कि बच्चों और गर्भवती महिलाओं के खून की जांच भी समय-समय पर करना है। इसके साथ ही एनिमिक वाले बच्चों को थैरोपेटिक डोज देने की सलाह दी।

समीक्षा बैठक में सिकलसेल कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल ने पीओसीटी किट और हाईड्रोक्सी यूरिया केप्सूल के विषय में जानकारी लेते हुए इसके विषय में बताया। इसके साथ ही एचपीएलसी स्क्रीनिंग, सेम्पल भेजने, मरीजों का फालोअप करने, सिकलसेल कार्ड के माध्यम से काउंसिलिंग करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उपस्थित सीएचओ, एएनएम, सुपरवाईजरों को विकलांगता प्रमाण पत्र की जानकारी दी।

नारायणगंज सामुदायिक केन्द्र में आयोजित मासिक समीक्षा बैठक में सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल, बीसीएम शैलेन्द्र सिंह, फार्मासिस्ट कमलेश सिंह, टीबी विभाग से एसटीएस देवेन्द्र साहू, सीएचओ डॉ. शाहिद हुसैन समेत सीएचओ, एएनएम, सुपरवाईजर समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

कलश स्थापना | समाज की महिलाओं के द्वारा सजाये गये सुंदर थाल।

आर्यिका माँ 105 विमलमति माता की चातुर्मास कलश स्थापना

*** विभिन्न कार्यक्रमों की दी गई प्रस्तुति।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जी मंडला में आचार्य विद्यासागर जी महाराज की परम शिष्या आर्यिका मां 105 श्री विमल मति माता जी ससंघ का मंडला जैन समाज में चातुर्मास कलश की स्थापना का कार्यक्रम नगर गौरव प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी अभय भैया एवं बाल ब्रह्मचारी राकेश भैया जी ब्र.अनुराग भैया का सानिध्य और ब्रह्मचारिणी बहनें आभा दीदी जी संगीता दीदी जी नंदनी दीदी जी (संघस्थ बहनें) व शालिनी दीदी जी बाहर से आए सभी प्रतिमा धारी श्रवक श्राविकाएं और जैन समाज की सभी कमेटियों ने व संगीतकार नीलेश जैन बुढार का संगीतमयी वातावरण के साथ बड़ी धूमधाम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में सुबह मंदिर जी में वीरशासन जयंती मनाई माताजी द्वारा मंगलवाणी का लाभ और मंगलाचरण अनावरण दीप प्रज्वलन गुरुवर की पूजन का सौभाग्य बच्चों द्वारा बहुत ही सुन्दर संगीतमय प्रस्तुति साथ ही महिला मंडल नृत्य द्वारा सुंदर प्रस्तुति बच्चों का नृत्य और बड़े बच्चों द्वारा नाटिका की भी सहभागिता प्राप्त हुई। माता जी के कलश स्थापना में अन्य शहर समाज व परिवार के लोग भी आए सभी का समर्पण भक्ति देखकर बहुत ही अच्छा लगा। सभी पत्रकारों का भी जैन समाज के प्रति हमेशा समर्पण बना रहता है। आर्थिका माता जी ने अपनी मंगलवाणी से सभी को ओत प्रोत कर दिया इतना अधिक वात्सल्य सहजता प्रेम की मूर्ति व सभी जैन समाज अन्य व्यक्ति भी माता जी के प्रवचन से बहुत प्रभावित हुए। ये आषाढ से कार्तिक तक के चार महिनें हमें धर्म और साधना में लगाने चाहिए ताकि हम भी धर्म मार्ग में आगे वढ कर अपना आत्म कल्याण कर सकें। समाज की महिलाओं ने बहुत ही सुंदर ढंग से द्रव्य का थाल सजाकर लाए और आचार्य भगवन की पूजन में सभी कमेटियों ने अर्घ चढ़ाकर पुण्यलाभ लिया।

व्यापारियों की परेशानियों को केबिनेट मंत्री समझा और किया निराकरण

*** दुकानों की प्रीमियम राशि का है मामला।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/भुआबिछिया

विगत दिनों बिछिया नगर के व्यापारिक मंडल मंडला जिले जाकर प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उइके से मिलकर नगर पंचायत भुआ बिछिया में पंचायत कालीन लगभग 148 दुकानों जिनमे व्यापारी 50-60 वर्षो से काबिज है जबरदस्ती थोपे जाने वाले प्रीमियम राशि का मामला समाप्त करने का आग्रह किया जिसे श्री मति उई के ने गंभीरता से लेते हुए परिषद द्वारा मांगी जा रही प्रीमियम को निरस्त करने अधिकारियों से चर्चा कर निरस्त करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज भट्ट एवं डॉ विजय आनंद मरावी के नेतृत्व में भुआ बिछिया के दुकानदार व्यापारी आज कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उईके के निवास ग्रह पहुंचे, जहां भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा के साथ सभी व्यापारियों ने मंत्री जी से सभी दुकानों के विषय में चल रहे प्रशासनिक विवाद से अवगत कराया। व्यापारियों ने बताया कि नवागत बिछिया एस.डी.एम. द्वारा नगर पंचायत में दबाव बनाकर सभी पंचायत कालीन दुकानों के दुकानदारों से लाखों का प्रीमियम भरने को कहा गया, अन्यथा कि स्थिति में दुकानों में ताला बंदी करने ओर तोड़ने तथा पुनः नीलामी करने का भय लगातार नोटिस भेजकर दिखाया गया। व्यापारियों द्वारा बताए गए इस पूरे प्रकरण को ध्यान से सुनते हुए माननीय कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उईके एवं भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने तत्काल कलेक्टर मंडला और नगर परिषद सी.एम.ओ. से मोबाइल के माध्यम से बात करते हुए प्रीमियम के मामले को समाप्त करने तथा दुकानों का पुनः अनुबंध कर व्यापारियों को उनकी पंचायत कालीन वर्षों से संचालित दुकानों का अधिकार दिलाने के निर्देश मंत्री जी ने दिए। इस अवसर पर सभी दुकानदार व्यापारियों द्वारा इस न्यायपूर्ण निर्णय पर मंत्री जी एवं जिलाध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

खबर संक्षेप

आखिर कौन कर रहा है शासकीय संपत्ति को गायब, पेहरेदारों की भूमिका पर सवाल...

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जिस प्रकार से क्षेत्र में आये दिन लोगों के घरों में घटित हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ साथ पूर्व में हुई अनेक चोरी के मामलो में लिप्त आरोपियों को पुलिस आज तक खोजने में असफल देखी जा रही है, वही अब स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां तहां फैली हुई शासकीय संपत्ति भी अब असुरक्षित दिखाई देने लगी है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जहां तहां निर्मित हो रही सड़कों के किनारो पर सुरक्षा के हिसाब से लगाई जाने वाली लोहे की सुरक्षा पट्टी लगातार गायब होते हुए देखी जा रही है? इस प्रकार से सड़कों पर लगी हुई इन पट्टियों के गायब होने की स्थिति पर गौर किया जावे तो उनके गायब होने के बाद जो सच्चाई दिखाई दे रही है उसे देखकर यह बात स्पष्ट होने से नही चूक रही है कि इन लोहे की पट्टियों को किसी द्वारा रातो रात काटते हुए पार किया गया रहा है, क्योंकि शहर के नजदीक सड़क सड़क किनारों से गायब हो रही इन पट्टियों के चलते जहां संबंधित विभाग की भूमिका पर सबाल खडे होते हुए देखे जा रहे है तो दूसरी ओर पुलिस की कार्य प्रणाली भी चर्चा का विषय बनने से नही चूक रही है? क्योंकि प्रतिदिन पुलिस द्वारा रात्रिकालीन गस्त व्यवस्था लगाई जाती है जिसमें एक गस्त लोकल स्तर की होती है और एक गस्त संभागीय स्तर की होती है जिसमें गस्त अधिकारी संपूर्ण क्षेत्र में भ्रमण करते हुए क्षेत्र की निगरानी करता है, इसके बाद भी यह पट्टी चोरी होना निश्चित ही चिंता का विषय बना हुआ है? क्योंकि इन पट्टियों को जब कोई पार करेगा तो निश्चित ही वह किसी न किसी वाहन का उपयोग करता होगा इसके बाद भी पुलिस की नजर में न आना अनेक संदेहों का पैदा करते हुए जान पड़ रहा है, वही दूसरी ओर यदि गौर किया जावे तो इन लोहे की पट्टियों को पार करने वाले द्वारा निश्चित ही उनका विक्रय किसी न किसी कबाड़ी के पास किया जाता होगा? क्योंकि इस समय नगर में जिस प्रकार से कबाड़े का कारोबार कुलियों से लेकर खेतों में फैला हुआ है उसके चलते इस प्रकार से लोहे की सामग्री को बढ़ावा देने में कोई कसर ही छोड़ रहा है? मगर इसके इसके बाद भी इस प्रकार से कबाड़ियो के प्रति पुलिस की मेहबानी चर्चा का विषय बनते हुए देखी जा रही है।

बिजली खम्बों में मकड़ी की जाल की तरह उलझी केबिलों में आग लगने से रात रात भर अंधेरे में रहने मजबूर होते है लोग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा आये दिन शहर हो या फिर गांव बिजली बलों की बसूली करने के नाम पर लोगों की लाईट काटने में देर नही की जाती है। मगर वही दूसरी ओर किसानों को अच्छी बिजली व्यवस्था उपलब्ध कराने के नाम पर देखा जावे तो बिजली विभाग की उदासीनता के चलते क्षेत्र के किसानों को प्रतिवर्ष लाखों रूपया की क्षति का सामना करने के साथ साथ अपनी जान तक गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ता है? यदि इस बात की सच्चाई पर गौर किया जावे तो ग्रामीण क्षेत्रों में शहर के अंदर बिजली खम्बों में केबिले जहां मकडी की जात की तरह उलझी हुई नजर आने से नही चूक रही है तो गांवों में किसानों के खेतों से लेकर मुख्य मार्गो पर झूला के समान लटकते हुए बिजली तारों को देखा जावे तो वह खुलेआम खतरे की घंटी बजाते हुए आसानी से देखे जा सकते है? क्योंकि बिजली विभाग द्वारा वर्षो पुरानी बिजली लाईनों में किसी भी प्रकार का बदलाव नही किये जाने के कारण जहां उन लाईनों में तार टूटने के साथ साथ अन्य खराबियां हैं।

फिर भी दिखाई नहीं दे रही है हरियाली, बीते हुये वर्षों में पंचायतों के माध्यम से गांव गांव खेतों की मेड़ों में रोपे गये पौधों के दर्शन हो रही दुर्लभ

वृक्षारोपण के नाम पर हर वर्ष पंचायतों से लेकर अधिकारियों द्वारा की जा रही करोड़ों रूपया सरकारी राशि खर्च

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

आये दिन देखा जाता है कि लोगों द्वारा सुर्खियों में छाने की होड़ के चलते जहां तहां वृक्षा रोपण इस प्रकार से किया जाता है कि शायद वह पर्यावरण को सुधारने में अहिम भूमिका निभाने से नही चूकेगे? मगर वही दूसरी ओर यदि इस सच्चाई पर गौर किया जावे तो उनकी यह मुहिम दूसरे दिन अखबारों में फोटो प्रकाशित होने तक ही सीमित रहने की स्थिति के आलवा और कुछ साबित होने से नही चूक पाती है? शासन द्वारा हर वर्ष पर्यावरण सुधार को लेकर वृक्षारोपण के नाम पर खर्च की जाने वाले इस सरकारी राशि की सच्चाई पर गौर किया जावे तो पूर्व के समय में अनेक जगहों पर नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा रोपे गये वृक्षों का क्या हाल है यह बात शायद ही किसी से छिपी नही है? क्योंकि वृक्षारोपण के उपरांत शायद ही कभी किसी नेता, अधिकारी द्वारा रोपे गये हुए वृक्ष की खबर लेते हुए देखा गया हो...? इस संबंध में बताया जाता है कि राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत क्षेत्रवासियों की उम्मीद थी कि शायद इस योजना के तहत लगभग पांच सात वर्ष पूर्व से प्रत्येक ग्राम पंचायतों में लाखों की राशि खर्च करते हुये पैदा रोपे गये थें। यदि इन पौधों का रोपण निष्ठा के साथ किया गया होता तो वह सात साल में पेड़ बने चुके होते, मगर सच्चाई यह है कि उनके दर्शन दुर्लभ होने से नही चूक रहे है...? वही ग्रामीण क्षेत्रों की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो आलम यह है कि लगाए गए पेड़ तो गायब ही है साथ ही उनके लिए बने प्लेट फार्म भी लगभग गायब होते जा रहे है और पौधा रोपण के नाम पर पंचायतों के माध्यम से खर्च की गई करोड़ो की राशि से जमीन पर हरियाली की जगह पंचायत के जनप्रतिनिधियों से लेकर कर्मचारियों के चेहरों पर जरूर दिखाई देने से नही चूक पा रही है..? सच्चाई पर नजर डाली जावे तो क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में वर्तमान समय तक बमुश्किल 10 प्रतिशत भी पेड़ सुरक्षित नही है। अधिकतर ग्राम पंचायतों का हाल यह है कि लगभग सारे पेड़ सूख चुके है और उनके लिए बनाए गए प्लेट फार्म टूटकर बिखरते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहे है। उल्लेखनीय है कि कुछ वर्ष पहले क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायतों मे ग्रामीणों को काम देने और हरियाली बढ़ानें के उद्देश्य से शासन की राशि खर्च करते हुये बड़ी संख्या मे पेड़ लगाए गए थें जिसके लिए करोड़ो रूपये का बजट खर्च किया गया था। वही इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे वृक्षारोपण, वृक्षों की सुरक्षा एवं सिंचाई पर लगभग लाखो रूपये की राशि खर्च की गई थी। लेकिन इस प्रकार से खर्च की गई राशि का शायद ही कही दिखाई दे रहा हो? यही हाल पंचायतों में भी देखा जा रहा है जहां पर बीते हुये बारिश के दौरान बड़े उत्साह के साथ किये गये वृक्षारोपण के चलते किसानों के खेतों में मेडो पर पंचायतों द्वारा वृक्षारोपण करते हुये पंचायतों के बिल बाऊचर तो हरयाते हुये देखे जा रहे है। मगर मौके पर पेड शायद ही कही नजर आ रहे हो? बताया जाता है कि संपूर्ण जिले में बीते हुये बारिश के सीजने पर हरियाली योजना के अंतर्गत क्षेत्र की लगभग प्रत्येक ग्राम पंचायतों मे पौधें लगाने के लिए राशि उपलब्ध कराई गई थी जिसमें क्षेत्र की सभी पंचायतों में वृक्षा रोपण किया गया था, जो मुख्य सड़कों के साथ साथ ग्रामों में किसानों की मेड़ो पर भी पंचायतों द्वारा वृक्षारोपण के नाम पर राशि खर्च की गई थी। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि लाखों की राशि खर्च करते हुये पंचायतों द्वारा रोपे गये पौधा कहा गायब हो गये किसी को पता ही नही है? इस प्रकार से सही मायने में देखा जावे तो वह वृक्षारोपण कार्यक्रम मात्र कागजों तक ही सीमिति होकर सिर्फ शासकीय राशि को बर्बाद करने का खेल ही साबित होते हुए जान पड़ रहा है? कुछ वर्ष पहले शासन के आदेश के चलते सभी पंचायतों को अपने अपने ग्रामों में वृक्षारोपण करने के आदेश जारी किये गये है जिसके चलते अनेक पंचायतों द्वारा अपने अपने गांवों में वृक्षारोपण करते हुए सोशल मिडिया या फिर अन्य साधनों के तहत अधिकारियों ने तक पौधा रोपण करने की फोटो पहुंचाने में देर नही की गई थी जिसके चलते इस प्रकार से वृक्षारोपण कार्य तो हो चुका है और जिन पंचायतों में वृक्षारोपण हुआ है वहां पर एक पेड़ पर इतने लोग बैठकर फोटो निकलवाते हुए दिखाई देखे गये थें कि पेड को सुरक्षित रहने की कल्पना ही मुश्किल होते हुये जान पड़ने से नही चूक रही थी..? जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिन पंचायतों में वृक्षारोपण हुआ है यदि उन पंचायतों के सरपंचों से पूछा जावे की आखिर में उनके द्वारा कौन कौन से पेड़ के पौधा रौपे गये है तो उन्हें भी उनका पता ही नही होगा कि उनके द्वारा रोपे गये पेड़ का नाम क्या है और रोपे गये पौधों की स्थिति इस समय किस प्रकार की है..? इस प्रकार की सच्चाई के चलते जहां शासन के आदेश पर हर वर्ष पंचायतों में वृक्षारोपण के नाम पर शासकीय राशि की बर्बादी होते हुए आसानी से देखी जा रही है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से शासन द्वारा गांवों व शहरों को प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए पंचायत स्तर पर वृक्षारोपण करने की मुहिम चलाई जा रही है जिसके चलते ग्राम पंचायतों में शासन की राशि की होली खेलते हुये कागजों में खूब वृक्षारोपण होते हुए दिखाई पड़ रहे है। मगर आज यदि मौके पर जाकर देखा जावे तो शायद ही किसी पंचायत में चंद माह पूर्व रोपे गये पौधे दर्शन हो पाये यह मुश्किल बात है? जहां शासन द्वारा नये वृक्षों को रोपने के लिए लगातार मुहिम चलाते हुए शासकीय राशि खर्च कर रही है। मगर जो पेड़ लगे हुए है उनकी सुरक्षा के लिए कोताही बरती जा रही है जिसका उदाहरण आये दिन पेड़ो पर जिस प्रकार से कुल्हाड़ी चलते हुए देखी जाती है उससे शासन द्वारा वृक्षा रोपण के नाम पर चलाई जाने वाली मुहिम पर अपने आप ही प्रश्न चिन्ह लगते हुए दिखाई देने से नही चूक रहा है...? क्योंकि शहर की शासकीय भूमि पर जहां तहां लगे हुए हरे वृक्षों पर दना दन्न कुल्हाडी चलते हुए देखी जा रही है। कुछ इसी प्रकार का हाल ग्रामीण क्षेत्रों में भी आसानी से देखने मिल रहा है, जिसको लेकर लोग यह बात कहने से नही चूके कि एक ओर शासन पंचायतों में पर्यावरण सुधारने के लिए हरियाली फैला रहा है। वही दूसरी ओर जहां हरे भरे वृक्ष खड़े हुए है उन पर कुल्हाडी चलवा रहा है...? काबिल गौर है कि कुछ इसी प्रकार से लगभग सात वर्ष पहले ग्राम पंचायतों द्वारा रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरों को काम मुहैया कराने व विकास के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की गई थी जिसके चलते हर वर्ष पंचायतों में शासकीय राशि खर्च करते हुए सैकड़ों पेड़ लगवाये गये थें वह पांच साल बाद भी नजर नही आ रहे है जिसके चलते यह योजना मात्र कागजों तक ही सिमट कर रह गई है और क्षेत्र के अनेक ग्राम पंचायतों के बीते हुए पंचवर्षीय कार्यकाल में सरपंच, सचिव व अधिकारियों की इस घोर अनियमितता के चलते क्षेत्रवासियों का हरित क्रांति का सपना अधूरा रह गया है। इसी का परिणाम है जिसके चलते देखा गया था कि गांव गांव वृक्षारोपण का कार्यक्रम शुरू होते ही क्षेत्र के नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा एक पेड़ के साथ साथ चार चार लोगों की सफेदी मारते हुए अखबारों में फोटो दिखाई दे रही थी मगर उनके द्वारा रोपे गये पौधा कहा गायब हो गये इसकी खोजकर पाना मुश्किल ही जान पड़ रहा है?

चीचली में माध्यमिक शिक्षकों को बताया कि हर प्रशिक्षण नई दिशा व दृष्टिकोण प्रदान करता है

हरिभूमि न्यूज/चीचली। विकास खंड चीचली के जनपद शिक्षा केंद्र में चल रहे माध्यमिक शिक्षकों का गणित व विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान विषय के प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस समापन सत्र को संबोधित करते हुए बीआरसी डी के पटैल ने कहा कि शिक्षकों का प्रशिक्षण केवल एक औपचारिकता मात्र नहीं है। बल्कि यह प्रशिक्षण छात्रों के जीवन मे नई दिशा और दृष्टिकोण का निर्माण करता है। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण की सार्थकता तब होती है जब शिक्षक प्रशिक्षण में बताई गई विधियों एवं पेडागाजी का उपयोग कक्षा शिक्षण कक्ष में करें और इन विधियों को व्यवहार में लाएं। शिक्षक न केवल पढ़ाने का कार्य पूर्ण करें, बल्कि विद्यार्थियों में जिज्ञासा, नई तकनीक तथा प्रश्न पूछने की क्षमता को भी पैदा करें। कक्षा छठवीं ही छात्रों के जीवन की मुख्य आधार शिला होती है यहां से विषय की गंभीरता एवं समझ विकसित होती है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भूमिका केवल अध्यापन की नहीं, बल्कि चिंतन नवाचार तथा प्रेरणा देने की भी होती है। इस प्रशिक्षण में गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषय के फैसिलिटेटर के रूप में सत्यम ताम्रकार, नरेश मेहरा, सुनील सोनी, प्रतिपाल सिंह राजपूत, बुलंद सिंह कुशवाहा, हीरालाल अहिरवार द्वारा कक्षा छठवीं की नवीन पुस्तक की तकनीक से तथा पेडागाजी, विधियों से शिक्षकों को परिचित कराया। प्रशिक्षण आयोजन में प्रशिक्षण प्रभारी बीएसी अरुण दुबे, एमआईएस कोऑर्डिनेटर दीपक श्रीवास्तव, अभिषेक पाराशर, लेखराम गौतम, हेमकुमार नामदेव, कैलाश कहार ने सहयोग किया। यह प्रशिक्षण जिला परियोजना समन्वयक नरसिंहपुर डॉ आर पी चतुर्वेदी के मार्ग दर्शन तथा विकास खंड शिक्षा अधिकारी चीचली नीलम मरावी के निर्देशन में पूर्ण हुआ।

तेंदूखेड़ा छोटा में सपंन्न हुई शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक, दिये गये जरूरी दिशा निर्देश

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

विकासखंड चीचली के अंतर्गत आने वाले जनशिक्षा केंद्र तेंदूखेड़ा छोटा में जनशिक्षा केंद्र स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में बी आर सी चीचली डी के पटेल ने सभी विद्यालयों में इको क्लब का गठन कर पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने के साथ साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण करने सहित चाईल्ड ट्रैकिंग ऐप के माध्यम से शाला में नामांकित एवं शाला से बाहर के 6 से 18 आयु वर्ग के छात्रों का सर्वे करना के आलवा गणवेश हेतु छात्रों के बैंक खाते एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर अपडेट करने तथा एफ एल एन मेला का आयोजन, बैगलेस डे की गतिविधि आयोजित करना एवं एफ एल एन अभ्यास पुस्तिका पर कार्य सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत निर्देश दिये गये। बताया जाता है कि बैठक में जनशिक्षक संजय सोनी ने विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने के आलवा शाला संचालन में नियमितता एवं समय बद्धता का पालन करने संबंधी निर्देश प्रदत्त किये गये। वही नवभारत साक्षरता सह समन्वयक देवकरण रजक ने ग्राम बसाहट में असाक्षरों के शत प्रतिशत सर्वे करने संबंधी निर्देश दिए। बैठक में जनशिक्षा केंद्र प्रभारी तेंदूखेड़ा सतेंद्र सिंह कौरव ने शालेय गतिविधियों को समय सीमा में पूर्ण करने संबंधी निर्देश दिए।बैठक में प्रधान पाठक आर एस ठाकुर, रामदास श्रीवास, देवेंद्र नाथ, मिश्री लाल मेहरा , भागवेंद्र कौरव, साक्षी वैद्य , प्रवीण शर्मा, देवराज गुर्जर, लक्ष्मी विश्वकर्मा, कमलेश गौंड, संजय वाडिवे, ललित कटरे, अजय पाराशर, ज्ञानेश्वर मेहरा , महेश गौंड, अविनाश गौंड, राहुल बादल, अशोक ठाकुर, बाबूलाल मेहरा, राम प्रसाद ऊईके, रोशनी वर्मा , दीपक मेहरा, राघवेंद्र राजपूत, राकेश मेश्राम, अनुज उईके, राधे श्याम कौरव, अरविंद कौरव, सुनील पिपरोनिया, राजश्री बेलवंशी सहित अन्य शिक्षकगण मौजूद थें।

शहर के चौराहों से लेकर पुलिस थाने के सामने जमा चार पायों के डेरा से हर नागरिक हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। लोग अपने घरों में दूध खाने के लिए जिस प्रकार से पालते है, मगर उनकी देख रेख करने की जगह नगरवासियों को परेशानी शानी पैदा करने छोड़ देते है? पशु मालिक दूध निकालकर दुधारू पशु को अपने घर से डण्डा मारकर बाहर निकाल देते है जियके चलते शाम होते ही शहर के मुख्य मार्गो में आवारा पशुओं का जमघट लगा रहता है। इसी का परिणाम है कि आये दिन लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे है। इस प्रकार से आवारा पशुओं का इन दिनों सड़कों में जाम लगना आम बात हो गई है और आमलोग जाम से तंग आ चुके है। क्योंकि इन जानवरों को हटाये जाने को लेकर न तो प्रशासन गंभीर दिख रहा है और न ही पशु मालिक, ऐसे में आम नागरिको को काफी कठिनायों का सामना करना पड़ रहा है। कहने के लिये तो कुछ दिनों पहले नगर पालिका प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया पर एक पत्र जारी करते हुये लोगों को अवगत कराया गया था कि सड़को पर घूमने वाले पशुओं को पकड़कर शहर के बाहर छोड़ने के लिये एक टीम का गठन किया है। मगर पता नही वह टीम कहा काम कर रही है इस बात का पता नही नही चल पा रहा है? यदि गौर किया जावे तो इन दिनों शहर के प्रमुख स्थान पलोटन गंज, रेल्वे स्टेशन रोड़, झंडाचौक, पुरानी गल्लामंडी, राठी तिरहा, आमगांवनाका, नया बस स्टेन्ड सहित अनेक स्थानों पर यह मवेशी अपना डेरा जमाये आये दिन हादसो को भी आमंत्रित करते रहते है। इतना ही नही नगर के पुलिस के थाने के सामने भी पशुओं का डेरा होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने मजबूर होना पड़ रहा है। इस प्रकार बेपरवाह पालक शहर की सड़को पर आवारा घूम रहे इन जानवरो के पालक पूरी तरह से बेपरवाह बने रहते है तो दूसरी ओर दुधारू जानवरो का दूध निकालने के बाद पशु पालक इन्हे सड़को पर खुल्ला छोड़ देते है ऐसे में ये जानवर सड़को पर पहुंच कर अपना डेरा जमा लेते है, कभी कभार तो इन आवारा जानवरों की वजह से गंभीर हादसे भी घटित हो चुके है। मगर इन आवारा पशुओं को प्रशासन द्वारा हटाये जाने किसी भी प्रकार के प्रयास नही किये जा रहे है और न ही पशु पालकों के खिलाफ कोई कार्यवाही जिसके कारण पशु पालकों के हौसले बुलंद होते जा रहे है। जिसका परिणाम आमलोगों की जिन्दगी को खतरा उतपन्न होता जा रहा है। अतः नपा प्रशासन से मांग की जाती है कि पुनः हाका गैग का गठन कर सड़कों से आवरा पशुओं को हटवाया जावे नही तो किसी दिन किसी की जान के दुश्मन बन सकते है?

बिना नम्बर के चल रहे सैकेडो टैक्ट्रर, दुर्घटना की बनी आशंका

हरिभूमि न्यूज/नांदनेर/गाडरवारा। जहां एक ओर प्रशासन द्वारा क्षेत्र के अनेक जगहों पर चैकिंग प्यांट लगाकर वाहनों की चैकिंग तो की जा रही है, मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा ऐसे वाहनों को नजर अंदाज किया जा रहा है जो वर्षो से बगैर नम्बर प्लेट के दौड़ रहे है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ट्रेक्टर क्षेत्र में रेत, मुरूम का अवैध उत्खनन लगातार हो रहा है, एक तरफ जहां कभी कभी विभाग द्वारा इस ओर कार्रवाई की जा रही है, वही अवैध उत्खनन करने वाले अपने उत्खनन के दौरान अधिकांशत रेत कोरोबारी उन ट्रेक्टरों को उपयोग में ला रहे है जिनमें नम्बर नही लिखा हुआ है, इस प्रकार से बगैर नम्बरों के टेक्ट्रों से ढुलाई कराने के चलतें जहां एक तरफ राजस्व को लाखों का नुकसान हो रहा है। वही इस पर अभी तक आर टी ओ विभाग द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नही किये जाने कारण इन टेक्टर वालों के हौसले बुलंद है, क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से सैकड़ो ऐसे ट्रेक्टर बगैर नम्बर चल रहे है, जिनमें देखा जावे तो अधिकांश अवैध उत्खनन के कार्य में संलिप्त है? टैक्टरों में जहां एक तरफ बिना नम्बर होने के चलते दुर्घटना के बाद इनकी पहचान करना मुश्किल हो जाती है। वही अवैध उत्खनन के समय छापे के दौरान टेक्टर चालकों और मालिकों के भाग जाने से अवैध उत्खनन करने वालों की जानकारी भी आसानी से नही मिल पाती है। इस स्थिति में संबंधित विभाग की लापरवाही के चलतें जहां क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से दौड़ रहे उनके खिलाफ कार्यवाही करना चाहिये। क्योंकि इस समय यह भी देखा जा रहा है कि ट्रेक्टर चालको द्वारा रात के समय ट्रेक्टर का उपयोग करते समय सामने का एक ही लाईट चालू किया जाता है जिससे सामने आने वाला व्यक्ति उसे दो पाहिया वाहन समझकर साईड देता है और वह दुघर्टना ग्रस्त हो जाता है। अतः शासन प्रशासन से मांग की जाती है कि बगैर नम्बर तथा एक लाईट व बगैर लाईट के टेक्टरों के खिलाफ एक मुहित के तहत कार्यवाही की जावें।

गरीबों को हक मार कैरोसिन की हो रही कालाबाजारी

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। यह बात अलग है कि केन्द्र सरकार द्वारा गरीबों के नाम पर उज्जबला योजना की शुरूआत करते हुए जहां गरीबों के घरों तक गैस कनेक्शन तो पहुंचा दिये गये है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब इन गरीबों के घरों में गैस खत्म हो जाती है तो उसे भरवाने के लिए लगने वाली रकम एकत्र करना इतना आसान नही रहता है जिसमें उनके घरों की गैस टंकी को बदल दिया जावे...? वही दूसरी ओर जिन गरीबों को गैस कनेक्शन प्रदान किये गये है उन गरीबों के लिए अब सेवा सहकारी समितियों से मिट्टी तेल मिलना भी बंद हो जाने के कारण जहां गरीबों के लिए नई परेशानी खड़ी हो रही है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो इस भीषण मंहगाई के चल रहे दौर में मिट्टी के तेल से गरीबों को भोजन बनाना आसान रहता था। मगर अक्सर देखा जाता है कि सहकारी समितियों की दुकानों के सेल्समेन और गांव के नेता नुमा लोग गरीबों के हक पर डाका डालते हुए कैरोसिन की काला बाजारी करने में कोई कसर छोड़ रहे है...? क्योंकि गरीबों के लिए महंगी जलाऊ लकड़ी खरीदने में असमर्थ होने के कारण उन्हें मिलने वाला मिट्टी तेल इस समय क्षेत्र के वाहनों में जलते हुए दिखाई पड़ रहा है...? अक्सर देखा जाता है कि जहां गरीब दो लीटर मिट्टी तेल के लिए भटकते हुए देखे जाते है। वही दूसरी ओर अनेक प्रभावशाली लोग खुलेआम ग्रामीण क्षेत्रों की सहकारी दुकानों से जिस प्रकार से बैरल भरकर मिट्टी तेल ले जाते हुए देखे जाते है तो सहकारी दुकानों में चलने वाली गफलबाजी की सच्चाई अपने आप ही स्पष्ट होते हुए दिखाई देने लगती है...? जिसके चलते यदि इन दुकानों में काम करने वाले सेल्समेनों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह जहां चंद वर्ष पहले दो पहिया वाहनों पर घूमते हुए दिखाई पड़ रहे थें वह अब चार पहिया वाहनों से अपनी दुकानों को पहुंचते हुए दिखाई पड़ रहे है? यह बात अलग है कि अनेक सेल्समेनों के पास खेती बाड़ी होने के कारण उनकी आय की सच्चाई की जांच होने की संभावनाओं पर अंकुश लग जाता है, मगर इन सेल्समेनों के द्वारा अपनाई जाने वाली कार्य प्रणाली उनकी सच्चाई को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रही है?

आदिवासी छात्र जटिल मार्गों से होकर गुजरते हैं अपनी पढ़ाई व अन्य कार्यों के लिए

हरिभूमि न्यूज/ बारहाबड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रतिवर्ष अनेक प्रकार के आयोजन करते हुए उन्हें खोज खोजकर स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया जाता है, मगर बच्चों को स्कूल जाने के लिए जब सुलभ रास्ते नही होगे तो वह इस स्थिति में वह केसे स्कूल पहुंच पायेगे? इस बात की सच्चाई इस जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले आदिवासी ग्राम गोटिटोरिया से दूर दराज पहाड़ी इलाको में आसानी से देखने मिली है, जहां पर आज भी ऐसे कुछ ग्राम बसे हुए है जहां पहुंचने के लिये दुर्गम रास्ते एवं पगड़न्डी रास्तों से होते हुए पहुंचना पड़ता है? बताया जाता है कि स्थानें पर न तो लाइट की व्यवस्था है न और न ही स्वास्थ्य न शिक्षा की व्यवस्था तथा खाने पीने का सामान उपलब्ध न होने के कारण उन्हे कई किलो मीटर पैदल चलकर गोटिटोरिया पहुंचकर बस के साधन से गाडरवारा आकर वे अपनी जीविका चलाने के लिए माहुल के पत्ता, चिरौंजी, गौंद, शहद, झाड़ू, लाठिया, ककड़ी, बाबेर, घास बेंचकर दैनिक उपयोग का सामान खरीददकर पुनः वापिस जंगल की उन्हें पहाड़ियों में पैदल जाते है। प्राचीन समय में ये आदिवासी जंगली इलाकों में रहकर मालगुजारी प्रथा में मक्का, कुटकी फसल लेकर अपना जीवन यापन कर रहे थे। देश की आजादी के बाद जब मालगुजारी उन्मूलन प्रथा समाप्त की गयी तो इन आदिवासियों को भू स्वामी के पट्टे दिये ताकि वे अपना जीवन यापन सुचारू रूप से चला सके। लेकिन अधिकांश जगहों पर आज भी ये भोले भाले आदिवासी मुख्यधारा से हटकर अपना जीवन यापन कर रहे है, हालांकि केन्द्र सरकार से लेकर राज्य सरकार तक इन आदिवासियों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिये अनेको जन कल्याणकारी योजना चला रही है और प्रयास कर रही है कि इनको योजनाओं का लाभ मिले ताकि उनके रहन सहन में सुधार हो सके मगर वह सिर्फ कल्पना मात्र ही साबित होता हुआ जान पड़ रहा है। क्योंकि विगत दिनों बड़ा गांव तलैया के आदिवासी बच्चे छात्रावास चीचली से अपना परीक्षा परिणाम लेकर भूखे प्यासे पैदल अपने गांव जाते हुए दिखे तो इस स्थिति को देखकर यह जान पड़ा की शासन की योजनाएं सिर्फ कागजों तक ही सीमित जान पड़ने से नही चूक रहा है? क्योंकि जहां सरकार द्वारा बच्चों का शिक्षा स्तर बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है, वही दूसरी ओर बच्चों स्कूल आने जाने के लिए मार्ग तक उपलब्ध नही हो पा रहा है तो फिर क्या सरकार का स्कूल चले हम सपना खाक साकार हो पायेगा?

खबर संक्षेप

आज शिवालयों में गूजेंगे हर हर महादेव के जयकारे

अनूपपुर। भगवान भोलेनाथ का पवित्र सावन मास की शुरुआत हो गई है। 14 अगस्त को सावन का पहला सोमवार होगा जिसको लेकर नगर के शिव मंदिरों में जोर-जोर से तैयारी की गई हैं। सोमवार को सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का ताता लगेगा।जहां विशेष पूजा अर्चना के साथ रुद्राभिषेक किए जाएंगे। नगर के धर्मशाला मंदिर, पंचायती मंदिर, बस स्टैंड शिव पार्वती मंदिर, ठाकुर बाबा धाम, लहसूई कैंप मंदिर सहित अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी। सोमवार सावन का पहला सोमवार पड रहा है जिसको लेकर भक्तों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। मंदिरों में जहां शिवा पूजा के साथ मानस पाठ सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन भी होंगे जो पूरे सावन मास चलेगा। सावन में शिव भक्तों के द्वारा अपने-अपने घरों में रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप, भजन कीर्तन के साथ विशेष पूजा के आयोजन भी किए जाएंगे। पंडित कुंज बिहारी के अनुसार सावन भोलेनाथ का प्रिय माह है। पूजा पाठ, अनुष्ठान , तीर्थ स्थल दर्शन से पुण्य कामों का खास फल मिलता है। सावन मास भक्तों के लिए बहुत ही शुभ फलदायक माना गया है।

जिले में 0.3 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 0.3 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र जैतहरी में 3 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर, कोतमा , बिजुरी , वेंकटनगर , पुष्पराजगढ़ , अमरकंटक तथा बेनीबारी में वर्षा निरंक दर्ज की गई।

पुलिस ने किया अवैध शराब बरामद

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे अति. पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) श्रीमति आरती शाक्य के मार्ग दर्शन में थाना भालूमाड़ा की टीम द्वारा ग्राम भर्राटोला पोड़ी संतोष कुमार केवट पिता तीरथ प्रसाद केवट उम्र 36 साल को उसके घर की बाड़ी में कार्टून में 28 पाव ब्लू चीप अंग्रेजी शराब, 26 पाव 8 पीएम अंग्रेजी शराब, 08 पाव आफिसर चाईस, 05 केन बीयर कुल 11.91 लीटर शराब कुल कीमती 11410/- रुपये रखे मिला। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। वापसी पर अपराध धारा 34 ए आबकारी एक्ट का पंजीबध्द किया गया है।

शासन द्वारा खरीफ सीजन 2025 के लिए उर्वरकों का विक्रय दर निर्धारित

अनूपपुर। शासन द्वारा खरीफ सीजन 2025 हेतु उर्वरकों का विक्रय दर निर्धारित किया गया है। जिसके अनुसार डीएपी उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1350 रुपये, टीएसपी उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1300 रुपये, एनपीके 12:32:16 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1720 रुपये, एनपीके 10:26:26 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1700 रुपये, एनपीके 14:35:14 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1750 रुपये, एनपीके 16:20:0:13 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1250 रुपये, एनपीके 15:15:15 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1450 रुपये, एनपीके 28:28:0 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1450 रुपये, अमोनियम फॉस्फेट सलफेट 20:20:0:13 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1300 रुपये, अमोनियम सलफेट उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 950 रुपये, एमओपी उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1535 रुपये, एनपीके 16:16:16 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1475 रुपये, एनपीके 14:28:28 उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 1650 रुपये, एसएसपी (पाउडर) उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 465 रुपये, एसएसपी (दानेदार) उर्वरक 50 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 505 रुपये तथा यूरिया उर्वरक 45 किलोग्राम बोरी का विक्रय दर 266.50 रुपये निर्धारित किया गया है। उप संचालक कृषि विभाग अनूपपुर ने किसानों से अपील की है कि शासन द्वारा निर्धारित दर से अधिक कीमत पर उर्वरकों की विक्रय होने की सूचना तत्काल कार्यालय उप संचालक कृषि, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग अनूपपुर को दें।

मैया अभियानः ईमली कुटी में की गई सफाई

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी।

माँ नर्मदा को समर्पित "मैया अभियान " अंतर्गत रविवार ईमली कुटी घाट में स्वच्छ्ता सेवा की गई। विदित है कि मैया अभियान विगत 3 वर्षो से सतत जारी है ।इस अभियान का प्रारंभ तत्कालीन कलेक्टर विकास मिश्रा जी द्वारा किया गया था । मैया अभियान में सरकारी कर्मचारी ,विद्यार्थी एवं नगर निवासी स्वेच्छा से प्रत्येक रविवार प्रातः 7 बजे से श्रम दान करते हैं । इमली कुटी घाट आवारा पशुओं के कारण घाट में गंदगी फैली रहती है एवं शराबी लोग काँच की बोतलें ,प्लास्टिक गिलास , प्लास्टिक पन्नियां के कारण घाट में प्रदूषण व्याप्त रहता है।रविवार प्रातः 7 बजे से मैया अभियान के सदस्यों ने घाट में फैली गंदगी को साफ कर लगभग एक टेक्टर कचरा निकाला गया।मैया अभियान के सभी सदस्यों ने नगर वासियों ,कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से अपील की है कि प्रत्येक रविवार प्रातः 7 बजे माँ नर्मदा की सेवा में जरूर शामिल हो तभी हम मैया को निर्मल कर पाएँगे। रविवार को आयोजित मैया अभियान में जिला आयुष अधिकारी डॉ संतोष परस्ते , नेहरू युवा केन्द्र जिला समन्वयक आर पी कुशवाहा वरिष्ठ शिक्षक शाहिद खान , शिक्षक जितेंद्र दीक्षित , रक्त देवदूत भागवत यादव , ओम वीर जाट , रितेश वनबासी, दीपक वनवासी, जीतू वनवासी, विद्यार्थी प्रहलाद यादव, आदित्य मार्को, माही बारोतिया, यथार्थ यादव एवं महेंद्र उचेहरा ने श्रम दान कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

एक पौधा मां के नामः अभियान के तहत शहपुरा में हुआ भावनात्मक वृक्षारोपण कार्यक्रम

मां के सम्मान और पर्यावरण की सुरक्षा का अनूठा संगम

डिंडोरी/शहपुरा।सावन माह की हरियाली और धार्मिक भावनाओं के बीच भाजपा मंडल शहपुरा ने एक सराहनीय पहल करते हुए "एक पौधा मां के नाम" अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन मोंडल रोड स्थित श्मशान घाट परिसर में किया गया, जहां मां के सम्मान में आम, अमरूद, बरगद जैसे फलदार और छायादार पौधे रोपे गए। इस अवसर पर भाजपा नेताओं और समाजसेवियों ने न केवल पौधारोपण किया बल्कि मां के चरणों में प्रकृति का यह नमन समर्पित करते हुए यह संकल्प लिया कि हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पौधा अपनी मां के नाम पर जरूर रोपे।

वृक्षारोपण में शामिल हुए गणमान्य जन

कार्यक्रम में भाजपा के वाशिष्ठ नेता विष्णु अवधिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रियंका आर्मो, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गिरजा कारपेंटर, पार्षद सुरेंद्र साहू, मीरा वनवासी, देवेंद्र वनवासी, समाजसेवी सतेंद्र जैन, कैलाश उसराठे, राजू सोनी, संजू उसराठे, रवि वनवासी, द्वारका भवेदी, सलभ साहू सहित कई स्थानीय नागरिक एवं युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण के साथ भावनात्मक जुड़ाव

इस पहल के पीछे केवल हरियाली बढ़ाना ही नहीं, बल्कि मां के प्रति सम्मान व्यक्त करना और समाज को भावनात्मक रूप से जोड़ना भी प्रमुख उद्देश्य रहा। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि "पेड़ न केवल ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि मां की तरह छांव और सुरक्षा भी देते हैं। यदि हम मां के नाम पर पौधे लगाएं, तो हर पौधा हमारे रिश्ते और संस्कृति का प्रतीक बन जाएगा।"

स्थानीय जनभागीदारी की मिसाल

इस कार्यक्रम ने स्थानीय नागरिकों में भी जागरूकता पैदा की। बड़ी संख्या में युवाओं ने पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी ली। पार्षदों ने भी संकल्प लिया कि वे अपने-अपने वार्डों में इस अभियान को आगे बढ़ाएंगे।

गुरु पूर्णिमा उत्सव विधिवत सम्पन्न – भारतीय ज्ञान परंपरा का हुआ सम्मान

डिंडोरी।

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन की भावना के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय करंजिया, जिला डिंडोरी में गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन अत्यंत गरिमामयी एवं आध्यात्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों तथा आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति में एक सुसंस्कृत एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत

उत्सव का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य श्री प्रमोद कुमार वास्पे तथा मुख्य अतिथि श्रद्धेय श्री दामोदरानंद सरस्वती जी (सरस्वती घाट, माँ नर्मदा तट, हरी टोला) एवं विशिष्ट अतिथि श्री कंछेदी लाल शुक्ला द्वारा माँ सरस्वती की पूजा, दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर पुष्पार्पण के साथ हुआ। इस दौरान उपस्थित विद्यार्थियों द्वारा माँ सरस्वती वंदना एवं गुरु वंदना की प्रस्तुति ने वातावरण को भक्ति एवं श्रद्धा से भर दिया।

अतिथियों का सम्मान एवं स्वागत

महाविद्यालय परिवार की ओर से समस्त अतिथियों का तिलक-वंदन, माल्यार्पण, साल एवं श्रीफल भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। पूरे प्रांगण में उपस्थित विद्यार्थियों की तालियों की करतलध्वनि ने माहौल को गौरवमयी बना दिया।

प्रेरक उद्बोधन

मुख्य अतिथि श्रद्धेय श्री दामोदरानंद सरस्वती जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च होता है और जीवन में मूल्य आधारित शिक्षा एवं सामाजिक समरसता आवश्यक है। उन्होंने समाज में वैमनस्यता मिटाकर सहयोग की भावना को विकसित करने की आवश्यकता जताई।

विशिष्ट अतिथि श्री कंछेदी लाल शुक्ला ने अपने वक्तव्य में धर्मपरायणता एवं कर्मशीलता के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि समाज को जागरूक करने हेतु अध्यात्मिक चेतना की आवश्यकता है। इस अवसर पर श्री पाठक जी ने भी गुरुजनों के सम्मान को अक्षुण्ण बनाए रखने की बात कहते हुए विद्यार्थियों को गुरु परंपरा के संवर्धन हेतु प्रेरित किया।

शैक्षणिक एवं आध्यात्मिक संवाद

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. के.के. द्विवेदी ने गुरु पूर्णिमा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुरुओं द्वारा समाज में किए गए योगदान को रेखांकित किया। साथ ही, उन्होंने उपस्थित अतिथियों एवं महाविद्यालय परिवार के प्रति आभार प्रकट किया।इस अवसर पर डॉ. एस.बी. पटेल, डॉ. पी.एस. साहू, प्रो. अजय कुमार, प्रो. विक्रम सिंह टेकाम, प्रो. दुर्गा सिंह भवेदी, प्रो. एस.एस. सिंह, डॉ. श्रवण कुमार तिवारी, डॉ. ऋषा मिश्रा, डॉ. अनीता पटेल, प्रो. रूपेश सिंह, डॉ. ताजुन अंसारी, प्रो. नीलेश दुफारे, डॉ. प्रीति पांडेय, डॉ. के.पी. बरोह सहित समस्त प्राध्यापकगणों एवं शिक्षकीय स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही।

संचालन एवं समापन

कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन प्रो. अजय कुमार द्वारा किया गया। अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य श्री प्रमोद कुमार वास्पे ने समस्त अतिथियों, आयोजकों एवं विद्यार्थियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल विद्यार्थियों में नैतिकता का विकास होता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक परंपरा भी पुष्ट होती है।

विद्यार्थियों की सहभागिता

इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी संकायों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उनके द्वारा प्रस्तुत गीत, कविता एवं भाषणों ने गुरु-शिष्य परंपरा को जीवंत कर दिया। गुरु पूर्णिमा उत्सव न केवल एक आध्यात्मिक आयोजन था, बल्कि यह भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण की दिशा में एक सार्थक प्रयास भी रहा। महाविद्यालय परिसर में श्रद्धा, ज्ञान और संस्कार का अद्भुत समागम देखने को मिला जो निश्चित रूप से विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और दिशा का संचार करेगा।

शिक्षकों का फिजिकल एजुकेशन इन्सट्रक्टर विषय पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दृष्टि से शिक्षकों का फिजिकल एजुकेशन इन्सट्रक्टर (शारीरिक शिक्षा अनुदेशक) विषय पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण शासकीय एकलव्य आवासीय विद्यालय अनूपपुर में 09 जुलाई से 11 जुलाई तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को हैण्डवॉल, बॉलीवॉल, खो-खो, फुटवॉल, क्रिकेट, एथलेटिक्स एवं परम्परागत खेल जैसे गिल्ली डंडा, लगोरी, कुर्सी दौड, जल-थल, आकास पाताल, बोरा दौड, लगडी दौड एवं हॉच-पौच एवं शारीरिक संतुलन से संबंधित खेलो पर चर्चा एवं उनके नियम, मैदान का मापन आदि चीजो से अवगत कराया गया। साथ ही खिलाडियों का संतुलित आहार, एन.ई.पी. खेल पर चोट एवं उसके उपाय, सचेतन, फिजिकल लिट्रेसी, फिजिकल वेलवेन, सोशल इमोशनल एवं इथिकल, स्पोर्टस साइकोलॉजी आदि विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी गई। प्रशिक्षण जिला शिक्षा अधिकारी तुलाराम आर्मो, ए.पी.सी. देवेश सिंह बघेल, सहायक संचालक ओंकार सिंह धुर्वे, शिक्षकगण आदि उपस्थित थे। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर उपेन्द्र कुमार मिश्रा, शिवकुमार मार्को, संजीव कुमार शर्मा द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के समापन में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया।

शोध निर्देशक के दुर्व्यवहार से व्यथित पीएचडी छात्रा

शोध निर्देशक बदलने की कर रही मांग पर नहीं सुन रहे जिम्मेदार

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

जिले के अमरकंटक पोडकी में संचालित इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आये दिन सुर्खियों में रहता है। ऐसा ही एक मामला एक छात्रा ने अपने साथ दुर्व्यवहार किए जाने के संबंध में प्रोफेसर के खिलाफ अप कुल सचिव को लिखित में कई बार कर चुकी है लेकिन उसे प्रोफेसर की हरकत में सुधार नहीं होने के कारण छात्र मानसिक रूप से परेशान है। छात्र के द्वारा कुल सचिव को लिखे पत्र में लेख किया है कि मेरा शोध निर्देशक बदला जाये। साथ ही उक्त छात्रा ने शिकायती पत्र में लेख करते हुए बताया कि इतिहास विभाग में डॉ देवेंद्र कुमार सिंह के निर्देशन में शोध छात्रा हूँ. मेरा पीएचडी पंजीयन 22-2-2021 को हुआ था. मेरा पीएचडी नामांकन संख्या 2001356004 है। मेरे शोध का विषय सरगुजा अंचल में शाक्त धर्म का अध्ययन प्रारंभ से 13वी सदी ईसवी है। मैं शोध प्रवेश 22-02-2022 से वर्तमान समय तक विभाग में सतत उपस्थित रही हू एवं अपने शोधकार्य में सतत संलग्न रही हूं तथा समय समय पर विभाग द्वारा निर्धारित किए गए उत्तरदायित्व का निर्वहन करती रही हूं। वर्तमान समय में मैंने अपने शोध संबंधी सारे कार्य पूर्ण कर लिए हैं तथा शोध लेखन का अधिकांश कार्य पूर्ण कर लिया है। मैंने अपने लिखित चैप्टरों को अनेक बार अपने शोध निर्देशक को उपलब्ध कराया जिसे शोध निर्देशक ने उन्हे सरसरी तौर पर देख कर हर बार गलत बता कर सुधार करने हेतु कहा। मेरे द्वारा लिखे गए शोध अध्याय की कई संधोधित प्रतियां सुधार करने के बावजूद भी उनके द्वारा मेरे कार्य को गलत बता कर रिजेक्ट कर दिया जाता है। उनका अवलोकन पूर्ण रूप से नहीं किया जाता। मैंने अपने शोध सम्बन्धी प्रथम अध्याय की पहली ड्राफ्टिंग 31-05-2022 को मेल द्वारा भेजी। इसी क्रम में 6-6-2022 प्रथम अध्याय की दूसरी प्रति मेल द्वारा भेजी। 21-06-2022 को सिनोप्सिस, 30-07-2022 संदर्भ सूची, 26-09-2022 को संदर्भ सूची की दूसरी प्रति मेल के द्वारा भेजा। इसके पश्चात अपने फील्ड कार्य में संलग्न रही जिसकी रिपोर्ट मैंने विभागीय सेमिनार के पश्चात अपने सुपरवाइजर को 11-09-2023 मै अपने विभाग में जमा की जिसे उनके द्वारा रिजेक्ट कर दिया गया। इसके पश्चात मैंने इसकी दूसरी प्रति 12-09-2023 को जमा की इसके पश्चात भी सुपरवाइजर के असंतुष्ट होने के बाद उसे भी रिजेक्ट कर दिया। इसके पश्चात मैंने 1 सप्ताह उपरांत तीसरी प्रति जमा की, किन्तु मेरे सुपरवाइजर ने मेरे द्वारा लिखे गए मेरे शोध अध्यायों को ना स्वीकार किया और ना ही उनका अवलोकन किया। वह मेरे प्रति दुर्भावना पूर्ण व्यवहार करते हैं, मेरे दस्तावेज जैसे प्रगति प्रतिवेदन, छात्रवृत्ति, कंटीन्जेंसी, पर हस्ताक्षर नहीं करते जिस वजह से मेरा 9 महीने का छात्रवृत्ति और कंटीन्जेंसी लेने से मैं वंचित रह गई। एक बार तो तत्कालीन विभाग अध्यक्ष के हस्तक्षेप करने के पश्चात ही हमें छात्रवृति मिल सकी थी। मेरे सुपरवाइजर द्वारा मेरे साथ निजी तौर पर बदसलुकी एवं दुर्व्यवहार किया जाता है। विगत 13-02-2025 को भी विभाग में अपने चैम्बर के बाहर सार्वजनिक तौर पर मेरे साथ बदसलूकी एवं दुर्व्यवहार किया गया। उस दिन मेरे द्वारा अपने शोध कार्य के तीसरे एवं चौथे अध्याय की प्रति देने का प्रयास करने एवं उस दिन के प्रस्तावित प्रेजेंटेशन बारे में पूछने पर वे अपने चेंबर के बाहर कई लोगों की उपस्थिति में मुझसे बदतमीजी करने, विभाग से अनुपस्थित रहने और इतिहास विभाग के व्हाट्सप्प ग्रुप में मेरे द्वारा कटाक्ष करने का आरोप लगाते हुए बुरा भला कहा मैं अपने शोध निर्देशक डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह के आए दिन के इस प्रकार के दुर्व्यवहार से व्यथित हूँ। इस तरह के लगातार उत्पीड़न से मैं कई महीनों से तनाव ग्रस्त रहने लगी हूँ जिससे मेरे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। शिकायती पत्र के माध्यम से छात्रा ने मांग किया है कि डॉ देवेंद्र सिंह के स्थान पर किसी अन्य शोध निर्देशक के अधीन स्थानांतरित किया जाये।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरु पूजन समर्पण कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के अलग - अलग हिस्सों मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरुपूजन समर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिला मुख्यालय के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय मे सोमवार की शायं गुरुपूजन समर्पण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। स्वयंसेवकों और गणमान्य जनों में इस पुनीत कार्यक्रम को लेकर उत्साह है। गुरुपूजन का कार्यक्रम सोमवार की शायं चार बजे प्रारंभ होगा। यह आयोजन खण्ड स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। रविवार की सायं अनूपपुर के श्री रामजानकी मन्दिर मे पहली बार गुरुपूजन समर्पण का कार्यक्रम ध्वज वंदना के साथ गरिमामय तरीके से संपन्न हुआ। उपस्थित गणमान्य लोगों द्वारा भगवा ध्वज को गुरु मान कर उनकी पूजा वंदना की गयी। तत्पश्चात लोगों ने यथाशक्ति समर्पण कार्य किया। इससे पूर्व कन्हैया मिश्रा सहित अन्य लोगो को संबोधित करते हुए जिला संघ चालक राजेन्द्र तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भगवा ध्वज को गुरु रुप मे अपनाने के तीन कारण हैं। यह आध्यात्मिक सांस्कृतिक सनातन धर्म का प्रतीक है। भगवा ध्वज से स्वयंसेवक शील, अनुशासन, राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव ग्रहण करता है और राष्ट्रवादी, आध्यात्मिक संस्कृति को मानने वाले लोग इसे युगो - युगों से शौर्य, समर्पण और आध्यात्म का प्रतीक मानते हैं। उन्होने कहा कि शिष्यों मे गुरु के प्रति समर्पण का भाव होना चाहिए। भगवा ध्वज को गुरु मानकर उनके प्रति समर्पण, निष्ठा का भाव रखने वाले करोड़ो स्वयंसेवक प्रति वर्ष सामर्थ्य के अनुसार गुरु समर्पण करते हैं और हमे भी करना चाहिए। परमपूज्य सरसंघचालक जी ने कहा है कि संघ के संचालन के लिये समर्पण के साथ सेवा, धन, समय का समर्पण करना चाहिए। संघ कोई राजनैतिक संगठन नहीं है। हम समाज, राष्ट्र निर्माण का कार्य करते हैं।हम जाति, पंथ, धर्म से ऊपर राष्ट्र के लिये सामाजिक समरसता का कार्य करते हैं। भविष्य मे इस क्षेत्र मे आप सबके सहयोग से कार्य करने की जरूरत है। श्री तिवारी ने अपील की कि जब आप समाज को समय देगें और समाज के साथ खड़े होगें तो मौका आने पर समाज आपके साथ खडा होगा। सामाजिक धार्मिक गतिविधियों मे तन, मन, धन से सहयोग करें और उसके सक्रिय सहभागी बनें। हम आप जागेगें तो समाज और देश मजबूत होगा। देश के कोने - कोने मे और विदेशों मे भी संघ के विभिन समाजसेवी प्रकल्प संचालित हैं।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर रैली का किया गया आयोजन

मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

प्रांतीय आवाहन पर आजाद अध्यापक शिक्षक संघ द्वारा 13 जुलाई को इ अटेंडेंस के विरोध में एवं नियुक्ति दिनांक से सेवावाद की गणना करते हुए पुरानी पेंशन बहाली को लेकर रैली का आयोजन किया गया जिसमें कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन मे लेख किया गया कि शिक्षकों को दोषपूर्ण ई अटेंडेंस व्यवस्था लागू न की जावे। जिन जिलों में यह व्यवस्था लागू की गई है उसे तत्काल समाप्त कर जो अटेंडेंस व्यवस्था मध्यप्रदेश के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को लागू है वही अटेंडेंस व्यवस्था शिक्षकों पर भी लागू रखी जावे। अध्यापक शिक्षक संवर्ग को भी राज्य एवं केन्द्र के अन्य कर्मचारियों की भांति प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना करके पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया जावे। आई एफ एम एस पोर्टल में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षकों की जो नियुक्ति दिनांक 01-07-2018 दर्ज है उसे सुधार कर उनकी प्रथम नियुक्ति दिनांक अंकित की जावे। गुरूजियों को उनकी नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता दी जावे। अध्यापक शिक्षक संवर्ग के पदोन्नति और लंबित क्रमोन्नति के आदेश शीघ्र जारी जारी एरियर्स राशि का भुगतान किया जावे। जनजाति कार्य विभाग के कार्यरत अध्यापक शिक्षक संवर्ग और स्कूलों को स्कूल शिक्षा विभाग में मर्ज किया जावे। अनुकम्पा नियुक्ति के नियमों को शिथिल कर शत-प्रतिशत दिवंगत अध्यापक शिक्षक संवर्ग के आश्रित परिवार के

सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिया जावे। अध्यापक शिक्षक संवर्ग की रूकी हुई हड़ताल अवधि की वेतन का भुगतान किया जावे। अध्यापक शिक्षक संवर्ग को कैस लेश मेडिकल क्लेम की सुविधा प्रदान की जावे। अध्यापक शिक्षक संवर्ग से सेवानिवृत होने वाले शिक्षकों की सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति दिनांक से करके उनको ग्रेच्युटी का भुगतान किया जावे। स्कूल शिक्षा विभाग से जनजाति कार्य विभाग में प्रतिनियुक्ति पर आए शिक्षकों को और जनजाति कार्य विभाग से स्कूल शिक्षा विभाग में प्रतिनियुक्ति पर आए शिक्षकों को उसी विभाग में मर्ज कर उसी विभाग के द्वारा क्रमोन्नति, समयमान वेतनमान, पदोन्नति आदि के समस्त लाभ प्रदान किए जाएं। शिक्षकों को बीएलओ कार्य से मुक्त रखा जावे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 14 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

किसानों से धोखाधड़ी के चार आरोपी गिरफ्तार

नरसिंहपुर। बीते दिनो थाना क्षेत्र ठेमी मे आवेदक ब्रजेश पटेल पिता विशाल सिंह पटेल उम्र 36 साल, निवासी घाटपिंडरई एवं नरसिंहपुर एवं जबलपुर क्षेत्र के अन्य किसानों के साथ अनावेदकों द्वारा अनाज गेहूँ, चना, मसूर की फसल की राशि करीबन एक करोड रूपये अदा न करने एवं फर्जी हस्ताक्षर बनाकर चैक प्रदान कर धोखाधड़ी की शिकायत प्राप्त हुयी। उपरोक्त शिकायत पर आरोपी राजकुमार पिता उजयार सिंह लोधी, शेखर उर्फ शिवकुमार पिता उजियार सिंह लोधी दोनों निवासी घाटपिडरई, घनश्याम पिता जगदीश प्रसाद लोधी तोफान पिता जगदीश प्रसाद लोधी दोनां निवासी ग्राम रानी पिण्डरई के विरूद्ध थाना ठेमी में अपराध 328/25 धारा 318 (4), 336 (2), 338, 3 (5) बी.एन.एस. का प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में फरार चल रहे सभी आरोपियों की पतासाजी की गयी जिसके परिणाम स्वरूप सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय में पेश किया गया है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी ठेमी निरीक्षक प्रीती मिश्रा, उप. निरी. सियाराम सिंह परिहार, प्रधान आरक्षक धनीराम, प्रधान आरक्षक कुलदीप, आरक्षक रजीत राजपूत, आरक्षक विजय वासुकी, आरक्षक चंद्रप्रताप की मुख्य भूमिका रही है।

स्कूली बच्चों को वितरित की शिक्षण सामग्री

नरसिंहपुर। विगत दिवस पीएम श्री शासकीय संजय माध्यमिक शाला पुलिस लाइन में अपने पारिवारिक स्वजनों की स्मृतियों को बनाए रखने के लिए समाज सेवा और जरूरतमंदों की सहायता करने से बढ़कर और कुछ नहीं है। इसी भाव से सेवानिवृत शिक्षक स्व. द्वारका प्रसाद नेमा की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी पत्नी श्रीमती पार्वती नेमा ने अपने परिवार जनों की उपस्थिति में शाला के छात्र-छात्राओं के बीच स्कूल बैग का वितरण किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रधान पाठक पवन कुमार चौबे, शिक्षक संजय कुमार चैबे, श्रीमती मुक्ति राय, शबनम खान, शालिनी महाजन, नाजरा बेगम ने किया। शिक्षक संजय कुमार चौबे ने स्वर्गीय द्वारका प्रसाद नेमा के सामाजिक एवं शिक्षकीय कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए बताया कि स्व. नेमा एक मिलनसार, कर्तव्य निष्ठ एवं अनुशासित शिक्षक थे और सदैव समाज हित के कार्यों में संलग्न रहते थे। जनगणना कार्य के लिए स्वर्गीय नेमा को राज्य स्तर पर सम्मानित भी किया गया था। स्वागत एवं उद्बोधन के पश्चात श्रीमती पार्वती नेमा, सेवानिवृत बीएसएनएल अधिकारी नारायण प्रसाद नेमा, श्रीमती आस्था नेमा, सेवानिवृत शिक्षक उमाशंकर नेमा और प्लास्टिक पैलेस के संचालक मुकेश नेमा द्वारा विगत जून माह में संचालित समर कैंप में उपस्थित बच्चों को शाला की ओर से प्रशस्ति पत्र, पानी बोतल एवं कलर बॉक्स से सम्मानित किया। इसके बाद नेमा परिवार की तरफ से स्कूल की जरूरतमंद लगभग 150 बच्चों को स्कूल बैग का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रज्ञा तिवारी ने किया।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

नरसिंहपुर। गत दिवस देवरी के पास हुई सड़क दुर्घटना मे युवक की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी हेमंत उर्फ गोलू पिता चमन लाल सिलावट उम्र 22 वर्ष निवासी इमझिरी थाना सुआतला देवरी के पास हुई सड़क दुर्घटना में घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सलय लाया गया जहां पर उपचार के दौरान डाक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग पंचानामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

नाबालिग को भगा ले जाने का आरोप, पिता ने लगाई गुहार

नरसिंहपुर। विगत दिवस पीड़ति पिता द्वारा कलेक्टर के नाम शिकायत देकर कार्रवाई की मांग गई। शिकायत मे बताया गया है कि वह मजूदरी का कार्य करता है तथा परिवार के सदस्य मजूदरी करने के लिए गए हुए थे और रात मे खाना खाकर सभी लोग सोए हुए थे सुबह उनकी पुत्री घर पर नही मिली जिसकी खोजबीन करने के उपरांत पुलिस चैकी सालीचैका मे रिपोर्ट दर्ज कराई गई पिता का आरोप है कि पुत्री को किसी व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर ले गया है। शिकायत के बाद भी पुलिस द्वारा कार्रवाई नही की जा रही है जिसके चलते पीड़ति पिता द्वारा कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई गई है।

बच्चों से लेकर बूढ़े भी हो रहे भुट्टा के दीवाने

बाजार मे भुंटे बढ़ी मांग अन्य जिलों से हो रही पूर्ति

सीजन के हिसाब से लोगों की पसंद बना भुट्टा

सावन का माह जितना पावन व पुनीत होता है उतना ही मनमोहक भी होता है रिमझिम बारिश के साथ लोगो को नई - नई खान पान की चीजों को भी परोसता है। बारिश होने पर लोग पकोड़ो की मांग करने लगते है ऐसी अनको चीजें है।

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

बीते कुछ दिनों से बाजार मे आने वाले भुट्टे की मांग निरंतर बढ़ती जा रही है। जिले भर मे भुट्टे बेचने वाले को दर्जनों दुकाने गली चैराहो पर लगी नजर आने लगी है।

सीजन के हिसाब से लोगों के खानपान में भी अनेको वस्तुओं की वृद्धि होती रहती है। कुछ चीजें मौसम के अनुसार ही खाने को प्राप्त होती है लेकिन कुछ चीजें हमेशा मिलती रहती है। मौसम के अनुसार मिलने वाली चीजों मे मक्का का भुट्टा भी एक ऐसा ही मौसमी फसल है। हालांकि शंसाधनों के चलते भुट्टा बारह माह मिलने लगे है लेकिन सावन के माह मे भुट्टा खाने का आनंद ही अलग है। नगर व जिले भर मे भुट्टे के सैंकड़ो ठेले लगे हुये है। ठेलो पर बिकने वाले भुट्टे को देखकर प्रत्येक आते जाते लोगो का मन मोह रखा है। बच्चो से लेकर बूढ़े भी भुट्टे को अपनी पंसदीदा बनाने लगे है।

हर गली चैराहे मे बिक रहे भुट्टा

सावन के माह की शुरुआत के पूर्व से ही भुट्टा बाजार मे बिकना प्रारंभ हो चुका था लेकिन चिन्हित स्थानों पर ही भुट्टा मिलता था सीजन करीब आते ही भुट्टे की दुकानो मे बेहद वृद्धि हुई। वर्तमान मे देखा जा रहा है कि गर्मियों के समय मे जितनी गन्ने के रस की दुकाने नही थी उससे दोगुनी अधिक भुट्टे की दुकाने लगी हुई है। हर चौराहे गली - गली मे भुट्टा बेचने वाले आवाज लगाते नजर आ रह है। लोगों भुट्टा खाने के लिये भी अपने कीमती समय मे से समय निकालकर जाने लगे है। वही खेतो मे अभी भुट्टे की फसल नही आई है इसलिये भुट्टे की मांग भी बढ़ रही है जिसकी पूर्ति आसपास के जिले छिंदवाड़ा व सिवनी से की जा रही है ।

बच्चे, गृहणी व वृद्धों की भी पसंद भुट्टा

भुट्टा खाना लाभदायक है और लोगों को सीजन मे ही भुट्टा खाने की लिये मिलता है। बीते कुछ दिनो से बाजार मे भुट्टे की डिमांड बहुत अधिक है और जिले के बाहर से लाकर भुट्टे की पूर्ति की जा रही है। भुट्टे खाने के लिये कामकाजी लोगों से घर वापिस आते समय भुट्टा लाने की डिमांड बच्चे, गृहिणी व वृद्धों द्वारा कहा जाने लगा है। भुट्टा सीजन युक्त फसल है और यह अधिकांश सावन के माह मे ही प्राप्त होती है। सीजन के हिसाब से लोगों में खाने की भी रूचि होती है ।

चौपाटी पर भी भुट्टे की मार

लोगों द्वारा खाने पान के लिये अधिकांशतः चैपाटी मे मिलने वाली चटपटी चीजो को खाया जाता है लेकिन वर्तमान मे चैपाटी पर भी भीड़ नजर नही आ रही जिसका कारण है कि बाजार मे बिकने वाला भुट्टा लोगो के मन को लुभा चुका है। उचित दाम पर भुट्टा मिल रहे है। कामकाजी लोगों द्वारा शाम के समय मे हल्का आहार लेकर घर वापिसी की जाती है जिसके लिये वह चैपाटी का रूख करते थे लेकिन भुट्टे की दुकान पर जाकर वह संतुष्ट हो जाते है।

उचित दर मे मिल रहा भुट्टा

बाजार मे भुट्टे की आवाक कम है और प्रतिदिन भुट्टे की मांग बढ़ती जा रही है। लेकिन लोगो को भुट्टा इसलिये प्रिय है क्योकि यह मौसमी व सेहत के लिये फायदेमंद फसल है। वर्तमान मे भुट्टे की कीमत किस्मों के आधार पर तय है। देशी भुट्टे की कीमत थोक में 12 से 15 रुपये प्रति नग है वही फुटकर में भूनकर 20 से 25 रुपये प्रति नग के आधार पर बिक रहा है। स्वीट कॉन थोक के भाव में 18 रुपये प्रति नग एवं भूनकर फुटकर मे 25 से 30 रुपये प्रति नग की दर पर बिक रहा है वही पॉपकॉर्न की बाजार मे आवक व मांग बेहद कम है जिसका दाम 15 से 17 रुपये है।

संस्कार भारती ने मनाया गुरु पूजन महोत्सव

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

विगत दिवस संस्कार भारती की जिला कार्यकारिणी द्वारा स्वर संगम संगीत महाविद्यालय यादव कालोनी में वार्षिक अनिवार्य कार्यक्रम के अंतर्गत गुरु पूजन महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत शिक्षक श गोपाल चैधरी ,मुख्य वक्ता के रूप में नगर संघचालक परितोष दुबे ,संगठन के प्रांतीय संयोजक सुमित दुबे, जिला अध्यक्ष राजेश साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात गुरु सम्मान के क्रम में वरिष्ठ नागरिक सेवानिवृत शिक्षक गोपाल चैधरी का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। प्रांतीय सचिव सुमित दुबे ने संगठन की रचना की रचना सहित आगामी सभी वार्षिक कार्यकम आयोजनों की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। संगठन के अध्यक्ष राजेश साहू ने संगठन के लक्ष्यों एवं प्रचार प्रसार पर अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य अतिथि गोपाल चौधरी ने गुरु महिमा का वर्णन करते हुए गुरु वंदना का गायन भी किया। मुख्य वक्ता नगर संघचालक परितोष दुबे द्वारा गुरु पूजन महत्व के साथ साथ संघ की आनुषांगिक शाखाओं के अनुशासन, कार्यपालन पर प्रकाश डालते हुए गुरु रूप में परम पवित्र ध्वज की महिमा का वर्णन किया गया।कार्यक्रम के अंत में संगठन के मंचीय कला संयोजक आशीष तिवारी ने आभार प्रदर्शन, मंच संचालन संगठन के जिला महामंत्री नवीन पांडे ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप में करेली से संगठन की चित्रकला संयोजक अंजू पेठिया,साहित्य संयोजक शैलेन्द्र बिल्थरे,नृत्य विधा संयोजक कविता रारोलिया,जिला उपाध्यक्ष अंकित दुबे, सिद्धार्थ तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र रावल, मयंक नेमा, चिराग धुर्वे सहित बड़ी संख्या में कला साहित्य प्रेमीजन उपस्थित रहे।

कीचड़ में पड़ा मिला नवजात शिशु

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

रविवार को रोड किनारे कीचड़ में पड़ा नव शिशु मिला। ग्राम मुराछ निवासी नागरिकों द्वारा रोड किनारे शिशु को पड़े देखा तो इसकी जानकारी प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग को दी। सूचना मिलने के बाद 108 एंबुलेंस जिला चिकित्सालय से रबाना हुई। वही ग्रामीणों द्वारा तत्परता दिखाते हुए शिशु को लेकर जिला चिकित्सालय लाया जा रहा था तभी लगभग 14 किलोमीटर की दूरी तय कर लेने के बाद एंबुलेंस मिली जिसमें बच्चे को सिफ्ट किया गया और उसे आक्सीजन दी गई। मुराछ निवासी प्रीतम चैधरी को बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी और जाकर देखा तो अज्ञात शिशु कीचड़ पर पड़ा रो रहा था उन्होंने नेपाल पटेल और उनकी पत्नी उमा बाई को सूचना दी। जिसे तुरंत उठाकर लाया और प्रशासन को सूचना दी तथा उसे जिला चिकित्सालय पहुंचा। नवजात नग्न अवस्था में था। उसके शरीर पर कीचड़ लगा हुआ था। बच्चे की नाल अभी जुड़ी हुई थी, जो बताती है कि प्रसव के तुरंत बाद उसे फेंका गया था। उमा बाई ने बच्चे को उठाया और गांव में ही सुरक्षित तरीके से नाल कटवाई। सूचना पर उप सरपंच छोटेलाल पटेल अपनी मोटरसाइकिल से शिशु को लेकर आए। सुपला में 108 एंबुलेंस मिली, जिससे बच्चे को जिला अस्पताल भेजा गया। एंबुलेंस के ईएमटी हेमंत प्रजापति ने बच्चे को प्राथमिक उपचार के साथ सफाई की। जिला अस्पताल के आरएमओ डॉ. राहुल नेमा द्वारा बताया गया नवजात का वजन मात्र 2 किलो है और उसे हाइपोथर्मिया है। बच्चे को गहन शिशु चिकित्सा इकाई में भर्ती कर निगरानी में रखा गया है। वही सूत्रों की मानें तो शिशु को जन्म के कुछ ही देर बाद फेंक दिया गया। प्रशासन द्वारा उक्त मामले की गंभीरता के साथ जांच कराई जानी चाहिए। जिससे ऐसी घटनाओं की पुर्नावृत्ति ना हो सके।

विधायक ने 31 छात्र एवं 14 छात्राएं को निशुल्क साइकिल प्रदान की

गोटेगांव। अंतर्गत ग्राम कमोद स्थित शासकीय हाई स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में विधायक महेन्द्र नागेश की उपस्थिति में शाला के बच्चों को नि:शुल्क 31 छात्र एवं 14 छात्राएं को साइकिल प्रदान की गई। सभी छात्र छात्राओं को साइकिल प्रदान करते हुए विधायक ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शाला के सभी शिक्षकों का समान भी किया गया है। शासकीयस्कूल परिसर में एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के तहत विधायक महेन्द्र नागेश ने शाला परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पौधा रोपित किया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों के साथ कार्यकर्ताओं एवं साल परिवारजन छात्र-छात्राएं ने उपस्थित होकर पौधे रोपित करने का कार्य पूरा करने के साथ-साथ पर्यावरण सुरक्षा की शपथ ली ।

सट्टे का खुलेआम किया रहा ठेमी थाना अंतर्गत अवैध कारोबार*सट्टा माफियाओं के हौसले बुलंद, पुलिस कार्यवाही न होने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त- गोटेगांव

विगतदिवस ठेमी थाना अंतर्गत करकबेल के समीप आने वाले गांवों में सट्टे का खुलेआम अवैध कारोबार किया जा रहा है विशेष रूप से रिछा मानेगांव टिगड़ुडा सूरवारी बोछार वेदू मुंगलगी टिकरी वासनपानी ठेमी करकबेल सहित अन्य गांवों में सट्टे का अवैध कारोबार चल रहा है साथ ही मोबाइल पर ऑनलाइन लाखों का काम किया जा रहा है जिसमें युवा पीढ़ी बर्बाद होने के साथ-साथ गरीब मजदूर परिवार भी इस सट्टे के अवैध कारोबार की चपेट में आ रहे हैं, सट्टा माफियाओं के हौसले इतने बुलंद है कि उन्हें पुलिस प्रशासन का कोई खौफ नहीं है खुलेआम चल रहा अवैध सट्टे का खेल जिसमें रोजाना एक के 80 और सभा के सवां सौ में फस्कर बर्बाद हो रहे कई परिवार जिससे स्थानीय लोगो में रोष व्याप्त है, ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर पूरे आसपास के क्षेत्र में खुलेआम सट्टा खिलाया जाता है और पर्चियां भी काटी जाती हैं साथ ही आसपास के ग्रामों में भी इन सट्टा माफियाओं के सक्रिय होने से आसपास के संपूर्ण क्षेत्र में अराजकता फैल रही है

इनका कहना है- हमारे द्वारा लगातार कार्यवाही सट्टा खिलाने वालों पर की जा अभी संपूर्ण क्षेत्र में अवैऊ सट्टे का कार्य बंद है हम पूरी तरह से अवैध सट्टे के कारोबार पर अंकुश लगाने का कार्य लगातार कर रहे हैं जरूरत पड़ने पर वैधानिक कार्यवाही के कर जिलाबदल की कार्यवाही भी करेंगे

श्रीमती प्रीति मिश्रा ठेमी थाना प्रभारी

गुणवत्ता को लेकर उठाये गये थे सवाल

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में चल रही अनवरत बारिश के चलते जहां नदी नाले उफान पर है वहीं घटिया निर्माण कार्यों की पोल खुलती चली जा रही है।ऐसा एक उदाहरण तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 12 में घोघरा नाले पर बनीं पुलिया के बाजू से बनीं सड़क बाढ़ के पानी में बह गई। उक्त पुलिया लगभग 22 लाख की लागत से बनाई गई थी। पुलिया के बाजू से एप्रोच सड़क मार्ग भी नहीं बन सका है।गौरतलब रहे कि जब उक्त पुलिया का निर्माण हो रहा था तब गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े किए गए थे लेकिन गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निर्माण कार्य करने का भरोसा दिलाया गया था।

अवैध कॉलोनाइजर के विरुद्ध एफ आई आर के आदेश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीत दिनों निवासी द्वारा की गई शिकायत के बाद प्रशासन द्वारा की गई। जांच मे पाया गया कि कालोनाइजर द्वारा अवैध रूप से भूस्वामी बनकर प्लाटों का विक्रय किया जा रहा है। कॉलोनी कि स्वीकृति हेतु जरुरी दिशानिर्देशों का पालन किये बिना अनेक भूस्वामी स्वयंभु कॉलोनाइजर बने बैठे हैं, इनके द्वारा धड़ल्ले से अवैध रूप से प्लाट बेचे जा रहे हैं, इन प्लाटों के इर्द गिर्द ना ही सड़कें हैं ना पानी निकासी कि व्यवस्था है, यहाँ तक कि कॉलोनाइजर का लाइसेंस एवं नगर एवं ग्राम निवेश कि अनुमति भी नही है, रेरा कि अनुमति नही है और ना ही कॉलोनी कि विकाश अनुज्ञा है। बाबजूद इसके भी जिले कि लचर प्रशासनिक व्यवस्था का लाभ उठाकर धड़ल्ले से लोगों को चूना लगाया जा रहा है, और आमजनों कि जमा पूंजी लूटी जा रही है। ऐसा ही एक तत्कालीन मामला एसडीएम कार्यालय मे चल रहा था जिसमे अनुविभागीय अधिकारी द्वारा सख्ती बरतते हुए अवैध रूप से प्लाट बेचने वालों पर मामला दर्ज करने के आदेश नरसिंहपुर कोतबाली थाना प्रभारी को दे दिए। अनुविभागीय अधिकारी नरसिंहपुर द्वारा मामला क्रमांक 0910/ब - 121/2022-23 मे अवैध कॉलोनी काटने का दोषी मानते हुए किशनलाल गुप्ता आ. रोशन लाल गुप्ता, केदार गुप्ता आ. मोतीलाल गुप्ता, परितोष गुप्ता आ चंद्रप्रकाश गुप्ता निवासी राम वार्ड के विरुद्ध आदेश करते हुए तहसीलदार नरसिंह पुर को आदेश किया कि उक्त व्यक्तियों पर प्रकरण दर्ज करने का आदेश किया एवं मौजा कंदेली न. ब 36 प. ह. न 41 तहसील व जिला नरसिंहपुर मे स्थित भूमि ख.नं 108/697 रकवा 0.083 हेक्टेयर भूमि के शेष रकबे पर खसरे के कालम नं 12 मे खंड खंड विक्रय पर प्रतिबंधित आदेश दिया गया। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा उक्त मामले मे मामला दर्ज करने के आदेश जारी किये गए, उक्त आदेशों का पालन करते हुए तहसीलदार नरसिंहपुर द्वारा थाना कोतवाली प्रभारी को निर्देशित किया कि उक्त आरोपियों पर मामला दर्ज किया जाये हालांकि उक्त आदेश के उपरांत अभी आरोपियों पर मामला दर्ज होने का इंतजार है।

श्रावण मास का पहला सोमवार आज

तेंदूखेड़ा। हमारी सनातन परंपरा में धर्म अर्थ काम मोक्ष आदि चारों पुरुषार्थों को सहज प्रदान करने वाले भगवान महादेव भोलेनाथ का पूजन हर समय मनुष्य कर सकता है। सभी वर्ण के लोगों को शिव पूजन का अधिकार है। किसी भी मास पक्ष तिथि वार में हम शिव जी का पूजन कर सकते हैं। लेकिन श्रावण का महीना विशेष रूप से शिव पूजन एवं आराधना के लिए समर्पित है। श्रावण में शिव जी को विल्वपत्र चढ़ाने का विशेष महत्व है। श्रावण में प्रतिदिन लोग वेद विधि के अनुसार पार्थिव अर्चन विभिन्न प्रकार की द्रव्यों से अभिषेक करके शिव जी की आराधना कर व्रत करते हैं। श्रावण सोमवार श्रावण प्रदोष हरियाली अमावस्या नाग पंचमी श्रावणी पूर्णिमा आदि इस माह के विशेष पर्व हैं । 30 दिनात्मक श्रावण माह में इस बार चार सोमवार हैं। वैदिक पद्धति से श्रावण महीने शिवार्चन रूद्राभिषेक और महामृत्युंजय जप आदि कराने से विशेष लाभ प्राप्त होता है । हमारे शास्त्रों में अलग अलग कामनाओं की पूर्ति के लिए अलग अलग द्रव्यों से शिव पूजन और रुद्राभिषेक का विधान दिया गया है। हमारे क्षेत्र के विद्वान पौरोहित्य कर्मकाण्ड स्नातक वेदाचार्य पुराणाचार्य व्याकरणाचार्य ज्योतिषाचार्य पं प्रमोद पचौरी ने रुद्राभिषेक की महिमा पर प्रकाश डालते हुऐ बताया कि रुद्राभिषेक से मानव का जीवन मंगलमय बन जाता है। अंतःकरण की पवित्रता के साथ सुसंस्कारों की प्राप्ति मानव की आत्म शक्ति ज्ञान शक्ति जाग्रित होती है।आधिदैविक आधिभौतिक और आध्यात्मिक तीनों प्रकार के तापों की निर्वृत्ति होती है। धर्म अर्थ काम मोक्ष आदि पुरुषार्थ चतुष्टय की प्राप्ति होती है। मनुष्य को आरोग्यता के साथ दीर्घायु सद्बुद्धि सद्विद्या सद् विवेक सदाचार सत कीर्ति धन धान्य पुत्र-पौत्रादि समस्त ऐश्वर्यों की प्राप्ति होती है। प्राकृतिक उपद्रव के शमन के साथ रूद्राभिषेक के द्वारा समस्त कामनाएं पूर्ण होती हैं।

उपनिषद् की ऊँचाइयों से रामकथा की गहराइयों तक

परमहंसी में शुरू हुआ शंकराचार्यजी का चातुर्मास्य महोत्सव

गोटेगांव

समीपवर्ती पवित्र धाम परमहंसी गंगा आश्रम में यही अलौकिक दृश्य तब उत्पन्न हुआ जब पश्चिमाम्नाय द्वारकाशारदापीठाधीश्वर, अनंतश्री विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज ने अपने चातुर्मास्य व्रत प्रवचनमाला का शुभारंभ किया।

मुण्डकोपनिषद्: आत्मा का आकाश- पहले सत्र में स्वामीजी ने मुण्डकोपनिषद् के एक गूढ़ मंत्र का उल्लेख करते हुए कहा "सत्येन लभ्यस्तपसा ह्येष आत्मा* उन्होने श्रद्धालुओं को आत्मा और ब्रह्म की अद्वैत सत्ता से परिचित कराते हुए कहा जिस आत्मा की प्राप्ति तप, त्याग और सत्य के मार्ग से होती है, वही जीवन का अंतिम लक्ष्य है।जब तक मन विषयों से जकड़ा है,तब तक ब्रह्म का बोध असंभव है।"स्वामीजी ने इसे केवल 'ज्ञान' का नहीं, 'अनुभव' का शास्त्र बताया,मुण्डकोपनिषद् पर प्रवचन के मुख्य बिंदु पूज्य शंकराचार्य ने आगे कहाः मुण्डकोपनिषद् आत्मा और ब्रह्म का अंतर नहीं बताती,बल्कि उनके अभिन्न स्वरूप को उद्घाटित करती है। जब मनुष्य 'परा विद्या' की ओर अग्रसर होता है, तभी आत्मा के परमात्मा में लीन होने का मार्ग प्रशस्त होता है,उन्होंने स्पष्ट किया कि अविद्या से ज्ञान की ओर जाना ही मानव जीवन की सार्थकता है,ऋषियों की तपस्या और ब्रह्मज्ञान की साधना ही इस उपनिषद् का मूल है,रामायण मर्यादा की गाथा नीति का दीप दूसरे सत्र में शंकराचार्य जी महाराज ने वाल्मीकि रामायण की राम कथा को धर्मनीति और आदर्श चरित्र का जीवंत चित्रण बताया रामायण केवल कथा नहीं,बल्कि जीवित धर्मग्रंथ है जो मनुष्य को 'राम' बनाने का मार्ग दिखाता है,उन्होंने कहा राम वनवास नहीं गए, वे 'धर्म-प्रवास' पर निकले थे – जहाँ हर कदम पर उन्होंने मर्यादा, त्याग और शरणागति की मिसाल कायम की, श्रीराम के जीवन से त्याग, विनम्रता और सेवा भाव को आत्मसात करने की प्रेरणा दी गई।राम वनवासी नहीं मर्यादा के सनातन संरक्षक हैं। उनका प्रत्येक निर्णय केवल राजनैतिक नहीं, धर्मात्मिक था। श्रद्धा से भरा

रहा प्रथम दिवस का वातावरण:श्रोताओं की आंखें बंद थीं, कान श्रवण कर रहे थे लेकिन मन आत्मदर्शन की ओर प्रवाहित था। वेदमंत्रों की ध्वनि, साधकों की मौन साधना और शंकराचार्य जी की ओजस्वी वाणी ने वातावरण को 'तपोवन' बना दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बंधु उपस्थित थे राष्ट्रीय प्रभारी के जन्मोत्सव पर संगीतमय महाआरती का आयोजन*गोटेगांव विगत दिवस स्थानीय श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर मे बजरंग सेना नर्मदाखंड महाआरती समिति के तत्वाधान में श्रीरामभक्त हनुमानजी की महाआरती पं.दीपकतिवारी के आचार्यत्व में पूर्ण वैदिक मंत्रोच्चारण व विधि विधान के साथ बजरंग सेवा के राष्ट्रीय प्रभारी पंकज चौकसे द्वारा पूजन अर्चन कर खोबे की जलेबी का भोग अर्पित कर भक्तों में प्रसाद वितरण किए जाने के उपरांत उपस्थित श्रद्धालु जनों ने सामूहिक रूप से श्री रामस्तुति,श्री हनुमान चालीसा श्री हनुमानजी की महाआरती का गायन किया गया,गौरतलब हैकि श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर महाआरती समिति द्वारा प्रत्येक शनिवार को हनुमान ललाजी की संगीतमय महाआरती विगत 5 वर्षों से भी अधिक समय एवं 291वें सप्ताह से निरंतर जारी साप्ताहिक संगीतमय महाआरती के पश्चात समिति की भजन मंडली के सदस्यो द्वारा सामूहिक रूप से भजनों की अनुपम प्रस्तुति आकाशवाणी कलाकार संदीपतिवारीपप्पू सोनी धर्मेंद्रचौबे विद्याचरण पाराशर सालकराम साहू, पंकज नोरिया एवं सहयोगियों के द्वारा महाआरती संपन्न करने के तत्पश्चात बजरंग सेवा के राष्ट्रीय पदाधिकारी पंकज चौकसे के जन्मदिवस पर समिति के सदस्यों के द्वारा फूलमाला तिलक रोरी चंदन से स्वागत किया गया।